लखनऊ

बुधवार, 4 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 193

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आवर्त क्रांति

"वक्त भले धीमा चले, लेकिन उसका फैसला हमेशा मजबूत और बिल्कुल सही होता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

ईरान संकट के बीच बहाल हुईं खाड़ी देशों की आठ उड़ानें, कैबिनेट मंत्री बोले सुरक्षित हैं प्रदेश के लोग

लखनऊ। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से खाड़ी देशों में विमानों का संचालन सोमवार को भी बाधित रहा। दुबई व ईरान का एयरस्पेस बंद होने से लगातार तीसरे दिन खाड़ी देशों की ओर जाने वाली उड़ानें निरस्त रहीं। हालांकि, लखनऊ एयरपोर्ट की एयर ऑपरेशन रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को निरस्त उड़ानों की संख्या 17 से घटकर 11 ही रही। सऊदी अरब व ओमान की आठ उड़ानें सोमवार को संचालित हुईं। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दुबई से सोमवार को आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आइएक्स-198 निरस्त रही। ऐसे ही दुबई जाने वाली आईएक्स 193, अबुधाबी से आने वाली इंडिगो की 6ई-1416, अबुधाबी जाने वाली इंडिगो की 6ई-1415, शारजाह से आने वाली इंडिगो की 6ई-1424, शारजाह जाने वाली इंडिगो की 6ई-1423, दुबई से आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स-194, रियाद से आने वाली आईएक्स-190, रियाद जाने वाली आईएक्स 189, दम्माम से आने वाली इंडिगो की 6ई-098 व जाने वाली इंडिगो की 6ई-097 निरस्त रहीं। सोमवार को खाड़ी देशों से लखनऊ आने-जाने वाली आठ उड़ानें बहाल हुईं। इसमें मस्कट से लखनऊ आने वाली ओवी 705, लखनऊ से मस्कट जाने वाली ओवी 706, मस्कट से लखनऊ आने वाली डब्ल्यूवाइ 265, लखनऊ से मस्कट जाने वाली डब्ल्यूवाइ 266, रियाद से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक्सवाइ 333, लखनऊ से रियाद जाने वाली एक्सवाइ 334, जेद्दा से लखनऊ आने वाली एसवी 890, लखनऊ से जेद्दा जाने वाली एसवी 891 का संचालन हुआ।

ईरान बातचीत को तैयार, डोनाल्ड ट्रम्प ने बंद किए दरवाजे, कहा- 'अब बहुत देर हो चुकी है'

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि ईरान के लिए बातचीत फिर से शुरू करने में बहुत देर हो चुकी है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान का नेतृत्व, उसकी वायु रक्षा, वायु सेना और नौसेना खत्म हो चुकी हैं। मेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि उनकी वायु रक्षा, वायु सेना, नौसेना और नेतृत्व सब खत्म हो चुके हैं। वे बातचीत करना चाहते हैं। मैंने कहा बहुत देर हो चुकी है। यह ऐसे समय में आया है जब ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन गरिमा के साथ। इस बीच, अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल ने दावा किया कि ईरान में हुए हमले में एक वरिष्ठ कमांडर को निशाना बनाया गया। इज़राइली सेना ने हाल ही में किए गए इस ऑपरेशन के परिणाम के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। इससे पहले, फॉक्स न्यूज़ ने बताया कि ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों के बारे में कांग्रेस को एक आधिकारिक पत्र भेजा था, जिसमें उन्होंने सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराया था।

भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण विश्व के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बजट के बाद 'स्टेनिंग एंड स्ट्रेंथनिंग इकोनॉमिक ग्रोथ' विषय पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गत सप्ताह बजट वेबिनार सीरीज के पहले वेबिनार का आयोजन हुआ और मुझे ऐसा बताया गया कि वो बहुत सफल रहा। और बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन को लेकर हर किसी ने काफी उत्तम सुझाव दिए। मैं सबकी सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं।

उन्होंने कहा कि आज इस सीरीज के दूसरे वेबिनार का आयोजन हो रहा है। मुझे बताया गया है कि आज हजारों की संख्या में ढेर सारे विषयों पर अनगिनत लोग अपने सुझाव देने वाले हैं और विषय के जो विशेषज्ञ हैं, वो भी हमसे जुड़ने वाले हैं। इतनी बड़ी तादाद में बजट पर चर्चा, ये भी अपने आप में एक बहुत सफल प्रयोग है। आप सब समय निकालकर इस वेबिनार में जुड़े, मैं आप सभी का अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

उन्होंने कहा कि इस वेबिनार की थीम देश के आर्थिक विकास को निरंतर मजबूती देने से जुड़ी हुई है। आज जब भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था से पूरे विश्व की उम्मीद बना हुआ है, आज जब वैश्विक आपूर्ति चेन रीशेप हो रही है, तब अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति विकसित भारत का भी बहुत बड़ा आधार है। इस वेबिनार का विषय देश की आर्थिक वृद्धि को सुदृढ़ करना है। भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण विश्व के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में परिवर्तन हो रहा है, ऐसे में तीव्र आर्थिक विकास विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का आधार बन गया है।

उन्होंने कहा कि हमारी दिशा स्पष्ट है, हमारा संकल्प स्पष्ट है। अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक कनेक्ट करें, और अब अधिक निर्यात की आवश्यकता है। हमारी दिशा स्पष्ट है। हमारा संकल्प स्पष्ट है। अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक संपर्क स्थापित करें, और अब अधिक निर्यात की आवश्यकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया विश्वसनीय और लचीले विनिर्माण भागीदारों की तलाश में है। भारत के पास यह अवसर है कि वह इसमें भूमिका निभाए। आज दुनिया विश्वसनीय और टिकाऊ विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है। भारत के पास इस भूमिका को निभाने का एक मजबूत अवसर है।

उन्होंने कहा कि अब हमें आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं, तो हमारा एक ही मंत्र होना चाहिए- गुणवत्ता, गुणवत्ता, गुणवत्ता। भारत ने बहुत सारे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। हमारे लिए अवसरों का बहुत बड़ा द्वार खुला है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम गुणवत्ता पर कभी भी समझौता न करें।

सीएम फडणवीस के परिवार पर चढ़ा होली का रंग; मायानगरी मुंबई में आज इस अंदाज में मनाया गया रंगोत्सव

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने परिवार के साथ होली का त्योहार मनाया। सीएम फडणवीस की तस्वीर में उनकी पत्नी अमृता और बेटी को होली के रंग में सराबोर देखा गया। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं। मायानगरी मुंबई में आज रंगोत्सव खास अंदाज में मनाया गया।

लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं

मुंबई के अलग-अलग इलाकों से आई तस्वीरों में स्थानीय लोगों को अबीर-गुलाल उड़ाते और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते हुए देखा गया। बच्चों से लेकर किशोरावस्था के लोग भी होली के रंग में रंगे दिखे।

'हर तरफ मिसाइलें, सहम गए थे बच्चे' : हमलों के बीच कैसे बीते खौफनाक दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस्राइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के कारण हालात चिंताजनक बने हुए हैं। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच ओमान के मस्कट में फंसे भारतीय नागरिक अपने देश लौट आए हैं। मंगलवार को भारत की धरती पर कदम रखते ही इन लोगों ने राहत की सांस ली। उन्होंने इस मुश्किल घड़ी में अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी की।

खबरों के अनुसार, इस्राइल-अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। ईरान ने उन देशों पर मिसाइल हमले किए जहां अमेरिका के सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। ईरान ने दुबई, बहरीन और कुवैत समेत कई देशों को निशाना बनाया, जिसके बाद वहां आम लोगों की जान मुश्किल में पड़ गई। मस्कट से दिल्ली पहुंची एक यात्री अनीशा अग्रवाल ने बताया कि मिसाइलों को हवा में ही रोका जा रहा था, जिससे हम डर गए और हमने वापस लौटने का फैसला किया। सरकार ने स्थिति को बहुत अच्छे से संभाला। हमारे साथ बच्चे थे, इसलिए हम बहुत चिंतित थे। मिसाइलों की आवाज से बच्चे सहम गए थे। वहां के हालात देखकर हम घबरा गए थे। मिसाइलों को रोकने से होने वाली तेज आवाजों से बच्चे परेशान हो रहे थे।

मस्कट से लौटे एक अन्य यात्री ने कहा कि हम वहां खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे, इसलिए वापस आ गए। मिसाइल रोकने वाली प्रणाली बहुत अच्छे से काम कर रही थी। मुझे डर नहीं था, लेकिन बच्चों के कारण हमने भारत लौटना ही बेहतर समझा। अब यहां आकर सब ठीक लग रहा है। एक यात्री आदिल ने बताया कि वहां अनिश्चितता का माहौल था। कई उड़ानें रद्द हो रही थीं, जिससे हमें अपनी फ्लाइट छूटने का डर था। हमने मदद के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क किया। भारत लौटकर मैं बहुत राहत और खुशी महसूस कर रहा हूं। अब हवाई सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं और मेरी वापसी की यात्रा आसान रही।

खामेनेई मामले में रुख साफ करे सरकार... राहुल बोले- पीएम की चुप्पी से गिर रही देश की साख

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएस और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने भारत सरकार को ईरान युद्ध और खामेनेई की हत्या को लेकर अपना रुख नैतिक रूप से स्पष्ट करने की अपील की है। साथ ही पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठा हैं। राहुल ने सवाल किया कि क्या पीएम मोदी किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन करते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री की "चुप्पी" से दुनिया भर में भारत की साख गिर रही है। उन्हें अपने रुख को खुलकर बताना चाहिए। राहुल ने कहा कि ईरान पर अमेरिका और

इजराइल के हमले और कई खाड़ी देशों पर ईरानी हमले, दोनों की निंदा की जानी चाहिए। क्योंकि जंग हर मसले का हल नहीं होती है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता एक संवेदनशील क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की ओर धकेल रही है। लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिकों सहित करोड़ों लोगों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।"

संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता

उन्होंने कहा, "सुरक्षा संबंधी चिंताएं वास्तविक है और संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और बढ़ाएंगे। ईरान पर एकतरफा हमलों के साथ-साथ अन्य पश्चिम एशियाई देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की जानी चाहिए। हिंसा से हिंसा पैदा होती है, संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का नैतिक रूप से स्पष्ट रुख होना चाहिए।" राहुल ने कहा, "हमें अंतरराष्ट्रीय कानून और मानव जीवन की रक्षा में स्पष्ट रूप से बोलने का साहस होना चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे सुसंगत रहना चाहिए।"

भारत को अपनी नैतिक शक्ति को फिर मजबूत करना होगा-सोनिया गांधी

राहुल गांधी ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी को बोलना चाहिए। क्या वह विश्व व्यवस्था को परिभाषित करने के तरीके के रूप में किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन करते हैं?" उन्होंने दावा किया कि अब इस चुप्पी के कारण दुनिया में भारत की साख कम हो रही है। वहीं कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि भारत को अपनी नैतिक शक्ति को फिर से मजबूत करना होगा। उनके अनुसार, देश की पहचान हमेशा संतुलित और न्यायपूर्ण सोच से रही है।

बिहार से नितिन नवीन जाएंगे राज्यसभा, भाजपा ने जारी की नौ उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बिहार से नितिन नबीन और शिवेश कुमार को राज्यसभा चुनाव के लिए नामित किया है। पहली लिस्ट में भाजपा की ओर से नौ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है। बता दें कि राज्यसभा के लिए 37 सीटों पर चुनाव होने हैं, ऐसे में जल्द भाजपा की ओर से और प्रत्याशियों के नामों का एलान किया जाएगा। बिहार से नितिन नवीन और शिवेश कुमार को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। वहीं, असम से तेराश गोवाला और जोगेन मोहन को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा ने छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा, हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा से मनमोहन सामल और सुजीत कुमार के साथ पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है।

हमले से पहले 'गो-प्रो हीरो' 12 कैमरे से हुई थी रेकी, एनआईए ने चीन से मांगी न्यायिक सहायता

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 'गो-प्रो हीरो' 12 कैमरे को लेकर चीन से न्यायिक सहायता मांगी है। इस कैमरे की मदद से हमले वाली जगह की रेकी की गई थी। जम्मू की एक विशेष अदालत ने एनआईए को उक्त कैमरे के खरीदार और अंतिम उपयोगकर्ता का पता लगाने के लिए चीन से न्यायिक सहायता मांगने की अनुमति दे दी है।

बता दें कि एनआईए की जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि पहलगाम हमले से पहले उस इलाके की रेकी की गई थी। इसमें 'गो-प्रो हीरो' 12 कैमरे का इस्तेमाल हुआ है। 'गो-प्रो हीरो' 12 ब्लैक कैमरा, जिसका सीरियल नंबर C3501325471706 है, हमले से पहले आसपास के इलाके में इसके जरिए अहम जानकारी जुटाई गई थी। सुरक्षा बलों की मूवमेंट, लोकल लोगों की आवाजाही और ट्रांसपोर्ट की स्थिति, यह रेकी आतंकवादी मॉड्यूल का हिस्सा थी।

एनआईए ने इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए चीन के सक्षम न्यायिक प्राधिकरण को लेटर रोगेटरी यानी 'एलआर' जारी करने की अनुमति देने के लिए आवेदन किया था। किसी केस की जांच के संबंध में जानकारी जुटाने के लिए एलआर के द्वारा ही एक देश के न्यायिक सिस्टम से दूसरे मुल्क की न्यायिक व्यवस्था को एक औपचारिक राजनयिक अनुरोध किया जाता है। जम्मू की विशेष अदालत में एनआईए ने आवेदन में कहा था, इस केस की जांच के दौरान, आतंकवादी हमले की साजिश और उसे अंजाम देने से जुड़े विभिन्न भौतिक वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की गई है।

गो-प्रो हीरो तक पहुंचना क्यों है जरूरी?

जांच में 'गो-प्रो हीरो' 12 ब्लैक कैमरा, एक अहम इनपुट है, इसलिए इसकी तह तक पहुंचना आवश्यक है। कैमरे से जुड़ी जानकारी, यानी वह पहलगाम तक कैसे पहुंचा, उसका उपयोगकर्ता कौन था, आदि बातें केस की जांच के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। एनआईए ने पहले कैमरे के निर्माता, गो प्रो बीवी से कई तरह की जानकारी मांगी थी। गो प्रो बीवी ने एनआईए को सूचित किया था कि यह कैमरा पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना स्थित वितरक एई ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड को सप्लाई किया गया था। 30 जनवरी, 2024 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के डोंगगुआन में यह कैमरा एक्टिव हुआ था।

अमेरिकी उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो भारत पहुंचे, रायसीना डायलॉग में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो आज से चार दिनों की भारत यात्रा पर रहेंगे। वह तीन से छह मार्च तक नई दिल्ली में रुकेंगे। लैंडो भारत के सबसे बड़े भू-राजनीतिक मंच 'रायसीना डायलॉग 2026' में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि उपविदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो नई दिल्ली में अमेरिकी दल का नेतृत्व करेंगे। वह राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों को मजबूती से रखेंगे। वह वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ जरूरी खनिजों और नशीली दवाओं की तस्करी रोकने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। वह अमेरिकी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में पहुंच बढ़ाने और आर्थिक रिश्तों को गहरा करने पर जोर देंगे। उनका मकसद एक स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा विजन को बढ़ावा देना है।

इनके साथ ही, दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक सचिव एस. पॉल कपूर भी 1 से 3 मार्च तक नई दिल्ली में हैं। अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कपूर हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और साझा हितों पर भारतीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। दूतावास का कहना है कि यह दौरा राष्ट्रपति ट्रंप के उस विजन का हिस्सा है, जो भारत और अमेरिका की साझेदारी को मजबूत और आपसी फायदे वाला बनाना चाहता है।

यूट्यूब पर पीएम मोदी नंबर-1, छुआ 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूट्यूब चैनल ने 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले विश्व नेता के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हो गई है। दूसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो हैं, जिनके सब्सक्राइबर मोदी के सब्सक्राइबर की संख्या के लगभग एक-चौथाई हैं। प्रधानमंत्री के सब्सक्राइबर की संख्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सात गुना से भी अधिक है, जो वैश्विक स्तर पर उनकी डिजिटल पहुंच और जुड़ाव के व्यापक दायरे को रेखांकित करता है। भारत में भी, प्रधानमंत्री मोदी के पास अन्य नेताओं की तुलना में काफी अधिक संख्या में सब्सक्राइबर हैं। प्रधानमंत्री के पास कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक और आम आदमी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तुलना में चार गुना से अधिक फॉलोअर्स हैं।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री का यूट्यूब चैनल 3 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स के साथ सबसे अधिक सब्सक्राइब्ड चैनल है। पिछले महीने, मोदी ने इंस्टाग्राम पर 1 करोड़ फॉलोअर्स का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया और ऐसा करने वाले वे पहले विश्व नेता और राजनेता बन गए। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे और पिछले एक दशक में उनका अकाउंट वैश्विक नेताओं के बीच सबसे लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बन गया है।

अमेरिका-इस्राइल का साथ दिया तो माना जाएगा युद्ध की कार्रवाई, ईरान ने यूरोप को दी कड़ी चेतावनी

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने यूरोपीय देशों को सीधी चेतावनी दी है। तेहरान ने साफ कहा है कि अगर यूरोप ने अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान में किसी भी रूप में भाग लिया, तो इसे ईरान के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में हमले और जवाबी कार्रवाई लगातार बढ़ रही है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बकाई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 'डिफेंसिव एक्शन' के नाम पर भी अगर कोई देश अमेरिका-इस्राइल अभियान में शामिल होता है, तो उसे आक्रामकता माना जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। यह प्रतिक्रिया जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के उस बयान के बाद आई है।

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच भूकंप से दहला ईरान, न्यूक्लियर प्लांट के पास कांपी धरती, साजिश की आशंका?

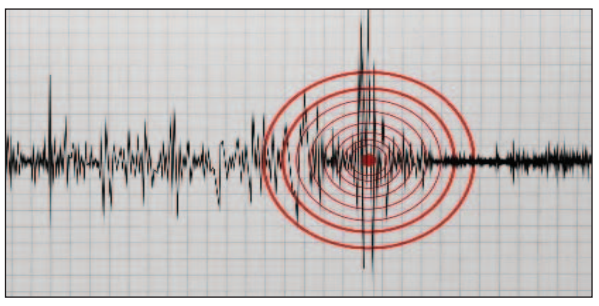

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, मंगलवार को दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के पास 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप लगभग 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया और यह भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में प्राकृतिक विवर्तनिक गतिविधि का एक विशिष्ट उदाहरण है। भूकंपीय दृष्टि से, यह दक्षिणी ईरान में प्राकृतिक विवर्तनिक गतिविधि के अनुरूप है, जो सक्रिय ज़ाग्रोस फॉल्ट प्रणाली के साथ स्थित है, जहां उथले भूकंप आम हैं। हालांकि, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नामक चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान भूकंप के आने के समय ने कई संवेदनशील ईरानी स्थलों के भौगोलिक निकटता पर ध्यान आकर्षित किया है।

यह भूकंप ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर समन्वित सैन्य हमलों के कारण क्षेत्र में तीव्र संघर्ष जारी है, जिसके परिणामस्वरूप रविवार को सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या हुई। इन हमलों में ईरानी सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर हवाई और मिसाइल हमले शामिल हैं, जिन्होंने पूरे मध्य पूर्व में व्यापक जवाबी कार्रवाई को जन्म दिया है, हवाई यात्रा को बाधित किया है, सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाया है और ईरान में बड़ी संख्या में नागरिकों को हताहत किया है।

गेराश दक्षिणी ईरान में एक ऐसे गलियारे पर स्थित है जो प्रमुख ऊर्जा, बंदरगाह और सैन्य अवसंरचनाओं को जोड़ता है। गचिन यूरेनियम खदान (बंदर अब्बास के पास) - गेराश से लगभग 150-180 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित, गचिन ईरान के घरेलू यूरेनियम अयस्क स्रोतों में से एक है। यह एक खनन स्थल है, संवर्धन सुविधा नहीं।बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र - गेराश से लगभग 250-300 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित, बुशहर फारस की खाड़ी के तट पर ईरान का एकमात्र कार्यरत नागरिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है।

अवैध शराब की साथ दो गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धम्मौर पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं पुलिस ने उनके कब्जे से 21 पाउच दबंग मार्का देशी शराब बरामद की हैं थानाध्यक्ष रजत पांडेय ने बताया कि दुर्गेश प्रताप सिंह उर्फ शक्ति सिंह निवासी बंधुआखुर्द व लल्लन उर्फ अकसार निवासी बनकेपुर को गिरफ्तार किया गया तलाशी के दौरान तीन पेटी और एक थैले में रखी अवैध शराब बरामद हुई कार्रवाई में उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार तिवारी हेड कांस्टेबल अमरनाथ और कांस्टेबल प्रदीप चौधरी शामिल रहे पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

चुनावी रंजिश और अपमान का बदला... मुरादाबाद पुलिस ने सुलझाई कारोबारी सलीम पाशा हत्याकांड की गुत्थी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के कुंदरकी थाना इलाके में हुए चर्चित व्यापारी अनीस पाशा हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिसल ने हत्याकांड से जुड़े फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों को हिरासत में लेते हुए कानूनी कार्यवाही को अंजाम दिया है। दरअसल, नमाज पढ़कर लौट रहे टायर व्यापारी की सरेराह हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी, लेकिन पुलिस के साक्ष्यों के आधार पर अब इस साजिश की परतें खुलने लगी हैं। हत्या के मुख्य आरोपी मोहम्मद अरमान उर्फ अरशू, जिसने 'अरमान डिफाल्टर 444' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो डाला था,

उसके आत्मसमर्पण के बाद पुलिस ने दो अन्य सहयोगियों को भी दबोच लिया है।

कुन्दरकी पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रेहान और एक बाल अपचारी (अयान उर्फ अन्नू) शामिल हैं, जो इस हत्याकांड की साजिश और पूर्व में हुई हिंसक घटनाओं में संलिप्त पाए गए हैं। कुंदरकी पुलिस के द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में पूरी वारदात पुरानी चुनावी रंजिश और निजी अपमान का बदला लेने के लिए रची गई थी। आरोपी अरमान ने दावा किया था कि चुनाव के दौरान मृतक ने उसे चोरी के झूठे आरोप में पीटा था, जिसका बदला उसने सरेआम गोलियां बरसाकर लिया है।

पुरानी रंजिश और साजिश का पर्दाफाश

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गठित टीमों ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचे और कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस ने हत्या की धाराओं के साथ-साथ ऑर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच को और तेज कर दिया है। इसमें तमाम आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। कुंदरकी पुलिस की जांच व आरोपियों से पूछताछ में यह हैरान करने वाला खुलासा हुआ है, जिसमें अनीस हत्याकांड महज एक आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि गहरी खुन्नस का परिणाम साबित हुआ है। आरोपी अरमान ने न केवल हत्या की जिम्मेदारी ली, बल्कि वीडियो के जरिए प्रशासन को चुनौती भी दी थी।

पुलिस ने जब्त किए हथियार

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अन्य दो आरोपी रेहान और अयान पर आरोप है कि वे अनीस अहमद और उनके परिजनों पर जानलेवा हमले की योजना में शामिल थे। दोनों के कब्जे से पुलिस को 315 बोर के दो अवैध तमंचे और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने प्रेस नोट में बताया बताया कि इन आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी जान से मारने की धमकी और फायरिंग के मामले दर्ज थे। फिलहाल कुंदरकी पुलिस ने इस घटना में शामिल सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

हाथरस में यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, डबल डेकर बस ने कार को पीछे से मारी टक्कर, 6 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों के मौत की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेज रफ्तार डबल डेकर बस ने आगे जा रही इको कार में जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा हाथरस जिले के सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव गढ़ी हरिया के पास हुआ। हादसा उस दौरान हुआ जब पीछे आ रही तेज रफ्तार बस ने एक कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं 6 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर ली है। मृतकों में राजस्थान के धौलपुर का

एक दंपती और आगरा के बाह का एक दंपती शामिल है।

हादसे में 6 लोगों की मौत

घटना की जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाह ने कहा कि दर्दनाक हादसा तड़के सुबह करीब 4 बजे हुआ। डबल डेकर बस दिल्ली से गोरखपुर की तरफ जा रही थी। जैसे ही बस सादाबाद क्षेत्र के गढ़ी हरिया गांव के पास पहुंची तो तेज रफ्तार की वजह से आगे चल रही एक कार को टक्कर मार दी। चालक ने तेज रफ्तार के कारण संतुलन खो दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इको कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे की एक लेन पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

मौके पर कई अधिकारी मौजूद

हादसे की जानकारी मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) रामानंद कुशवाहा, एसडीएम मनीष चौधरी और तहसीलदार भारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि सात लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे थे।

वन विभाग की ट्रांसफर नीति पर सवाल, वर्षों से जमे कर्मियों पर उठी उंगली

सुल्तानपुर। प्रदेश सरकार जहां ट्रांसफर नीति में पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस की बात करती है, वहीं सुल्तानपुर के वन विभाग में कई कर्मचारी वर्षों से एक ही जगह जमे होने के आरोपों से घिरे हैं। चर्चा है कि कुछ कर्मी अपने ही गृह जनपद में लंबे समय से तैनात हैं, जिससे नीति के पालन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में जमे रहने से कुछ कर्मचारियों का प्रभाव बढ़ गया है, जिसका असर विभागीय कामकाज और निगरानी व्यवस्था पर पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक कई मामलों में निर्धारित कार्यकाल पूरा होने के बावजूद तबादले नहीं किए गए। जानकारों का मानना है कि सरकार की मंशा के अनुरूप यदि नियमित और पारदर्शी स्थानांतरण किए जाएं तो जमीनी स्तर पर जवाबदेही और व्यवस्था दोनों मजबूत हो सकती हैं। फिलहाल निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

मानसिक मंदित बच्चों और वृद्धजनों संग मनाई संवेदनाओं भरी होली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। होली के रंग सिर्फ अबीर-गुलाल तक सीमित नहीं रहे बल्कि इस बार कुछ समाजसेवियों ने इसे संवेदनाओं और अपनत्व के रंगों से भी सराबोर कर दिया। मंगलवार को युवाओं की एक टीम ने मानसिक रूप से कमजोर बच्चों और वृद्धाश्रम में रह रहे निराश्रित बुजुर्गों के साथ होली मनाकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी।

अंकुरण फाउंडेशन से जुड़े बजरंग बहादुर सिंह और सिद्धार्थ सिंह की प्रेरणा से डब्बू पाठक, मुन्ना जायसवाल, हर्षि सिंह, दीपक पाठक और अंकुर मिश्र ने इस बार होली को खास अंदाज में मनाने का संकल्प लिया। सबसे पहले टीम तुराबखानी स्थित वृद्धाश्रम पहुँची, जहां अपने परिजनों से दूर रह रहे बुजुर्गों को अबीर-गुलाल लगाया गया और फल, गुझिया व नमकीन वितरित किए गए। युवाओं के इस स्नेह से अभिभूत वृद्धजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने सबको दिल से आशीर्वाद दिया।

इसके बाद समाजसेवियों का यह काफिला अमेठा स्थित मानसिक मंदित संस्थान पहुँचा। यहां लगभग पचास निराश्रित और मानसिक रूप से कमजोर बच्चे रहते हैं। संस्थान की निदेशिका रिशा वर्मा के मार्गदर्शन में बच्चों को भी अबीर-गुलाल लगाया गया और मिठाइयाँ व फल वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चे खुशी से झूम उठे और होली गीतों पर सभी के साथ जमकर नाचे। खुशियों और अपनत्व से भरे इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की असली रौनक तब बढ़ती है जब समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग को भी उसमें बराबरी से शामिल किया जाए।

धू-धू कर जला एसटीपी प्लांट : होली की रात शॉर्ट सर्किट से मथुरा में भीषण आग

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा के थाना जमुना पार क्षेत्र के लोहवन स्थित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) में देर रात अचानक शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में उसने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे प्लांट में अफरा-तफरी मच गई।

10 दमकलों ने पाया आग पर काबू

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 10 दमकलें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए, दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए कई घंटों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अंधेरे और आग की लपटों के बीच, कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई।

करोड़ों रुपये के नुकसान का आशंका

प्लांट में आग लगने के दौरान मौजूद कर्मचारियों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ लगाई। उनकी सूझबूझ और त्वरित प्रतिक्रिया से किसी भी कर्मचारी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस भीषण आग में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई गई है। आग की लपटों और धुएं ने पूरे प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे उपकरणों और अन्य संपत्तियों को भारी क्षति पहुंची है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

आग लगने से दहशत में आए लोग

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। आग बुझाने के बाद, नुकसान के आकलन के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। लोहवन स्थित एसटीपी प्लांट में आग लगने की घटना से स्थानीय निवासियों में भी दहशत का माहौल है। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे लोग दहशत में आ गए। हालांकि आग पर काबू पाए जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में छात्र छात्राओं ने मनाई होली

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में होली उत्साह के साथ मनाया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित 'होली मिलन समारोह' में न केवल रंगों की बौछार हुई, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा की एक सुंदर झलक भी देखने को मिली। समारोह का विशेष आयोजन लैब टेक्नीशियन प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत होते ही पूरा परिसर अबीर और गुलाल से रंगा नजर आया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कचनार के नेतृत्व में शिक्षकों और छात्रों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर पर्व की बधाई दी।

इस अवसर पर प्रो. गौरव त्रिपाठी और आस्था जायसवाल (जेआर) ने भी शिरकत की। शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह आपसी सहनशीलता, प्रेम और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। छात्र ढोल-नगाड़ों और संगीत की थाप पर झूमने लगे।

'होली का सामान खरीदने के लिए नहीं थे पैसे...', बरेली में मजदूर ने लगा ली फांसी, सुसाइड नोट पढ़ पुलिस की भी आंखें नम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव मटकुला में होली से ठीक पहले एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। गांव के 28 वर्षीय मजदूर दीपांकर मिश्रा ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। हर साल गांव की होलिका में आग लगाने की परंपरा निभाने वाले दीपांकर इस बार खुद ही जिंदगी की आग से हार गए।

परिजनों का आरोप है कि दीपांकर मिश्रा मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। कुछ समय पहले गांव के चार अन्य लोगों के साथ वह आंध्र प्रदेश काम करने गए थे। उन्हें एक ठेकेदार वहां लेकर गया था। बताया गया कि ठेकेदार ने कंपनी मालिक से मार्च तक काम कराने के नाम पर करीब ढाई लाख रुपये पहले ही ले लिए थे, लेकिन मजदूरों को एक भी रुपया नहीं मिला।

क्या है पूरा मामला?

दीपांकर और उनके साथियों ने कंपनी मालिक से अपनी मजदूरी मांगी तो उसने साफ कह दिया कि भुगतान ठेकेदार को कर दिया गया है। इसके बाद मजदूरों ने ठेकेदार से संपर्क किया, लेकिन वह टालमटोल करता रहा। आखिरकार सभी मजदूर वापस गांव लौट आए। 24 फरवरी को दीपांकर और अन्य मजदूरों ने हाफिजगंज थाने में तहरीर देकर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। 28 फरवरी को दीपांकर ने जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बावजूद उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

जामुन के पेड़ से लगा ली फांसी

होली नजदीक थी, घर में त्योहार की तैयारी के लिए पैसे नहीं थे। पत्नी ने होली के सामान और बच्चों के कपड़ों की बात कही तो दीपांकर ने एक बार फिर ठेकेदार से संपर्क किया। ठेकेदार ने पांच हजार रुपये खाते में डालने का भरोसा दिया। दीपांकर रुपये निकालने के लिए हरहरपुर मटकली स्थित जनसेवा केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया, लेकिन खाते में रुपये नहीं आए। शाम तक पैसा न आने पर वह बेहद परेशान हो गए। घर लौटते समय गांव के बाहर चकरोड किनारे लगे जामुन के पेड़ से फंदा लगाकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।

30 हजार रुपए का था कर्ज

मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें टूटी-फूटी हिंदी में दीपांकर ने लिखा कि ठेकेदार ने उनकी मजदूरी नहीं दी, जिससे उन पर गांववालों और दुकानदारों का करीब 30 हजार रुपये का कर्ज हो गया। वह इस बोझ को सहन नहीं कर पा रहे थे। सुसाइड नोट में उन्होंने पत्नी से झगड़े का जिक्र भी किया है। लिखा है कि पत्नी दहेज एक्ट में फंसाने की धमकी दे रही थी। साथ ही उन्होंने अपने बच्चों को परेशान न करने की अपील की है।

एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि मजदूरों की शिकायत पहले से जांच में थी। सुसाइड नोट में ठेकेदार और पत्नी दोनों पर आरोप लगाए गए हैं। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में चमत्कार! निभाई 5200 साल पुरानी परंपरा, 30 फीट ऊंची आग की लपटों से निकले संजू पंडा, नहीं हुआ बाल भी बांका

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। ब्रज की होली अपनी विविधताओं के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। लेकिन मथुरा के फालैन गांव में जो हुआ, उसने विज्ञान और समझ से परे आस्था की शक्ति का लोहा मनवा दिया। मंगलवार को होलिका दहन के दौरान संजू पंडा धधकती हुई 30 फीट ऊंची आग की लपटों के बीच से सुरक्षित बाहर निकल आए। इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्री कृष्णा के जयघोष से आसमान गुंजा दिया।

मान्यता है कि फालैन वही स्थान है जहां भक्त प्रह्लाद को जलाने के लिए होलिका उन्हें गोद में लेकर बैठी थी। ये 5200 साल पुरानी प्रह्लाद परंपरा है। इसी परंपरा को जीवंत करते हुए पंडा परिवार का कोई न कोई सदस्य हर

साल जलती हुई होली की अग्नि को पार करता है। इस बार संजू पंडा ने इस कठिन चुनौती को स्वीकार किया। उनसे पहले उनके भाई और पिता भी कई बार इस परंपरा को निभा चुके हैं।

45 दिनों का ब्रह्मचर्य और फलाहार

यह केवल एक क्षण का साहस नहीं, बल्कि 45 दिनों की कठोर तपस्या का परिणाम है। संजू पंडा ने बताया, 'वसंत पंचमी से ही इस व्रत की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान घर-परिवार से मोह खत्म कर दिया जाता है और अन्न का पूरी तरह त्याग कर केवल फलाहार लिया जाता है।' होलिका दहन से पहले पंडा ने प्रह्लाद कुंड में स्नान कर भगवान का आशीर्वाद लिया।

30 फीट चौड़ी अग्नि और ईश्वरीय शक्ति

जब होलिका की आग की लपटें अपने चरम पर थीं, तब संजू पंडा दौड़ते हुए उस धधकती चिता के बीच से निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग 20 फीट लंबी और 30 फीट चौड़ी थी, लेकिन संजू पंडा का बाल भी बांका नहीं हुआ। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आग के बीच उन्हें ईश्वरीय मार्गदर्शन महसूस हुआ।

बाबा जनवारी नाथ धाम में 5 मार्च को सजेगी फूलों की होली, भक्तों में उत्साह

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुलतानपुर। क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र सिद्ध पीठ बाबा जनवारी नाथ धाम में 5 मार्च (बृहस्पतिवार) को भव्य फूलों की होली का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष होली के अगले दिन आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस वर्ष भी शाम 4 बजे से धाम परिसर में आध्यात्मिक वातावरण के बीच पुष्पों की होली खेली जाएगी।

यह आयोजन बाबा जनवारी नाथ धाम सेवा संस्थान के तत्वावधान में किया जा रहा है। संस्थान के अनुसार पारंपरिक होली को धार्मिक मर्यादा और भक्तिभाव के साथ मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। फूलों के माध्यम से श्रद्धालु अपनी आस्था व्यक्त करेंगे और पूरा धाम

परिसर भक्ति और उल्लास से सराबोर रहेगा।

पूजन और अनुष्ठान की व्यवस्था आचार्य पंडित रविशंकर शुक्ल के नेतृत्व में विद्वान आचार्यों की टोली द्वारा की जाएगी। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन-अर्चन संपन्न होगा। आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा, अनुशासन, पुष्प प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संस्थान के सचिव विवेक बरनवाल ने बताया कि तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और क्षेत्रवासियों से समय पर पहुंचकर आयोजन की गरिमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। वहीं संस्थान के अध्यक्ष रणवीर सिंह ने भी समस्त भक्तों से सपरिवार उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक उत्सव में भाग लेने की अपील की है।

कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध कांवर निर्माण समिति के अध्यक्ष एवं सर्वोदय नगर निवासी दिलीप अग्रहरि अपने परिवार सहित यजमान की भूमिका निभाएंगे।

फूलों की होली जैसे आयोजन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का माध्यम बनते हैं। 5 मार्च की संध्या को होने वाला यह आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने दिया भरोसा, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मिलेगी पूरी आर्थिक सहायता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं, सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन जरूरतमंदों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके चिकित्सा इस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि समयबद्ध रूप से प्रदान की जा सके।होलिकोत्सव के अवसर पर सोमवार को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों के बीच जाकर उन्होंने एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि हर समस्या का प्रभावी और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि किसी को भी परेशान या भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और प्रत्येक समस्या का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए तथा पीड़ितों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाया जाए।जनता दर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने किडनी की गंभीर बीमारी के उपचार में आर्थिक तंगी आड़े आने की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली। कार्ड न होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने आश्वस्त किया कि धन की कमी इलाज में बाधा नहीं बनने दी जाएगी और विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसी प्रकार अन्य कई लोग भी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग की गुहार लेकर पहुंचे थे, जिन्हें मुख्यमंत्री ने हरसंभव मदद का भरोसा दिया।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि कहीं भूमि कब्जा या दबंगई की शिकायत मिलती है तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन में कुछ परिवार अपने बच्चों के साथ पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहिल आशीर्वाद देते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया तथा चॉकलेट वितरित कीं।जनता दर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी जरूरतमंद को इलाज अथवा अन्य आवश्यक कार्यों में आर्थिक अभाव का सामना नहीं करने दिया जाएगा।

होली सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक : प्रमोद तिवारी व आराधना मिश्रा मोना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रमोद तिवारी सांसद एवं राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष तथा आराधना मिश्रा मोना विधायक एवं नेता कांग्रेस विधानमंडल दल, उत्तर प्रदेश ने रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।नेता द्वय ने अपने संयुक्त संदेश में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उदारता, समावेशिता और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करता है तथा समाज में व्याप्त भेदभाव, ईर्ष्या-द्वेष और कटुता को समाप्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि होली हमें यह संदेश देती है कि हम सभी जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोपरि मानें और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनें।उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग रहते हैं, फिर भी सभी एक सूत्र में पिरोए हुए हैं। होली का पर्व इसी अनेकता में एकता की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करता है। रंगों के माध्यम से लोग आपसी मतभेदों को भुलाकर नई शुरुआत करते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।नेता द्वय ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक समरसता और आपसी विश्वास को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में होली का पर्व समाज को जोड़ने और प्रेम, शांति तथा सद्भाव का संदेश देने का सशक्त माध्यम बनता है। उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि वे इस पर्व को पारंपरिक उत्साह के साथ-साथ आपसी सद्भाव, स्वच्छता और संयम के साथ मनाएं।

मऊ में तमसा नदी पर पीपा पुल का शिलान्यास, एक सदी पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम : ए के शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ए के शर्मा, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री, ने मऊ जनपद में तमसा नदी के पावन तट स्थित हनुमान घाट पर पीपा पुल के निर्माण हेतु विधिवत शिलान्यास कर क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। लंबे समय से लंबित इस परियोजना के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि यह दिन मऊ जनपद के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि लगभग 100 वर्षों से चली आ रही आवागमन की गंभीर समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। तमसा नदी को पार करने में विशेषकर वर्षा ऋतु के दौरान लोगों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार संपर्क पूरी तरह बाधित हो जाता था, जिससे जनजीवन के साथ-साथ व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित होती थीं।उन्होंने कहा कि पीपा पुल का निर्माण केवल दो भौगोलिक हिस्सों को जोड़ने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी दोनों तटों के बीच नई सहभागिता स्थापित करेगा। आसपास के दर्जनों गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।मंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। पुल के निर्माण से छात्र-छात्राओं को विद्यालय और महाविद्यालय पहुंचने में समय की बचत होगी, वहीं आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। इससे क्षेत्र के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और समग्र विकास को नई गति मिलेगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार संतुलित और सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बुनियादी ढांचे की खाई को पाटना, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। पीपा पुल का निर्माण इसी व्यापक सोच का हिस्सा है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय प्रगति का मजबूत आधार बनेगा।मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने जनपदवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत आलमबाग में महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान, 54 थानों पर स्थापित किए गए मिशन शक्ति केंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत आलमबाग क्षेत्र में महिला सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण को लेकर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना आलमबाग की टीम ने क्षेत्र में महिलाओं और बच्चियों को विभिन्न पुलिस हेल्पलाइन नंबर, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी, साइबर अपराध से बचाव उपायों तथा यूपी कॉप एप के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में जनपद के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक निरीक्षक, एक अतिरिक्त निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक और एक महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की गई है। थानों पर आने वाली महिलाओं की शिकायतों के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।थाना आलमबाग की टीम द्वारा चलाए गए इस अभियान में महिला हे0का0 रितु प्रभाकर और महिला कांस्टेबल अंजना देवी ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों एवं साइबर अपराध से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए गए।कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आपातकालीन सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (पुलिस सहायता), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1098 (चाइल्डलाइन) और 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) शामिल हैं। पुलिस टीम ने डिजिटल सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के बारे में जानकारी दी, जिससे ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग और सोशल मीडिया उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई जा सके।इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश पुलिस के अत्याधुनिक 'यूपी कॉप ऐप' की विशेषताओं, जैसे रियल-टाइम लोकेशन शेयरिंग और ऑनलाइन शिकायत पंजीकरण की प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को संकट की स्थिति में आत्मविश्वास के साथ कार्य करने और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना रहा।अभियान के माध्यम से कानूनी अधिकारों के प्रति सजगता बढ़ाने, संकट की घड़ी में त्वरित सहायता सुनिश्चित करने, साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर बल दिया गया।यह पहल केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में ऐसा सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण स्थापित करने का प्रयास है, जहां प्रत्येक महिला और बच्चा स्वयं को सशक्त और संरक्षित महसूस कर सके।

होली पर यातायात व्यवस्था में बदलाव, 4 मार्च को सुबह 9 बजे से लागू रहेगा डायवर्जन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। होली के अवसर पर 4 मार्च 2026 को रंग खेलने तथा विभिन्न स्थानों से निकाले जाने वाले जुलूस एवं शोभा यात्राओं को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। 4 मार्च को प्रातः 9:00 बजे से कार्यक्रमों की समाप्ति तक निर्धारित मार्गों पर डायवर्जन प्रभावी रहेगा।जारी व्यवस्था के अनुसार कैसरबाग अशोकलाट चौराहे से सामान्य यातायात नजीराबाद चौराहे की ओर नहीं जा सकेगा। यह यातायात लाटूश रोड अथवा कैसरबाग बस अड्डा होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेगा। इसी प्रकार छतरी वाला चौराहा (सकरी सेंटर) से सामान्य यातायात नजीराबाद चौराहे की ओर प्रतिबंधित रहेगा और वाहन पोस्ट ऑफिस अमीनाबाद या श्रीराम रोड होकर जाएंगे।गुइन रोड चौराहे से नजीराबाद चौराहे की ओर जाने वाला यातायात भी प्रतिबंधित रहेगा। यह यातायात पोस्ट ऑफिस अमीनाबाद या कैसरबाग बस अड्डा होकर निकलेगा। ख्यालिगंज तिराहे से नजीराबाद की ओर आवागमन बंद रहेगा और वाहन कैसरबाग बस अड्डा, गुइन रोड, पोस्ट ऑफिस अमीनाबाद या कैसरबाग अशोकलाट चौराहा होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे।श्रीराम रोड तिराहा कोनेश्वर चौराहे से सामान्य यातायात चौक चौराहे की ओर नहीं जा सकेगा। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में घण्टाघर, रूमीगेट चौकी चौराहा का उपयोग करना होगा। वहीं चौक चौराहे से कोनेश्वर चौराहे की ओर जाने वाला यातायात भी प्रतिबंधित रहेगा और वाहन रूमी गेट चौराहा एवं घण्टाघर होकर संचालित होंगे।

संक्षेप

होली एकता, सौहार्द और पारस्परिक विश्वास का संदेश देती है : अजय राय

लखनऊ। अजय राय, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के प्रतीक पर्व होली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।अपने संदेश में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सद्भाव और पारस्परिक विश्वास को सुदृढ़ करने का अवसर है। यह पर्व हमें भेदभाव, कटुता और वैमनस्य को त्यागकर एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करने तथा समाज में सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि होली के रंग जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और उमंग का संचार करते हैं। यह पर्व हमें विविधताओं के बीच एकता का महत्व समझाता है और प्रेम व मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देता है। ऐसे अवसर पर समाज के सभी वर्गों को मिलकर भाईचारे की भावना को और प्रगाढ़ करना चाहिए।अजय राय ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे होली का पर्व प्रेम, शांति और सद्भाव के साथ मनाएं तथा सामाजिक समरसता को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

शिया पीजी कॉलेज के सामने रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौत, चालक बस लेकर फरार

लखनऊ। राजधानी के सीतापुर रोड पर स्थित शिया पीजी कॉलेज के सामने मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रोडवेज बस और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बस चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार समय करीब 3:20 बजे थाना स्थानीय पुलिस को दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तो पाया कि एक रोडवेज बस और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हुई है। दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक जीशान (उम्र लगभग 35 वर्ष), निवासी राजेंद्रनगर, बाजारखाला, लखनऊ गंभीर रूप से घायल हो गए थे।मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की सहायता से घायल युवक को उपचार के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कराई जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरार बस चालक की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संबंधित रोडवेज बस की पहचान कर उसे कब्जे में लेने की कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और दोषी चालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षित, मर्यादित और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाएं होली : डीजीपी राजीव कृष्ण

लखनऊ। राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा समस्त प्रदेशवासियों एवं उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं।अपने संदेश में उन्होंने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक पर्व है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस उत्सव को सुरक्षित, मर्यादित और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। प्राकृतिक एवं सुरक्षित रंगों का ही प्रयोग करें, किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग न लगाएं तथा सार्वजनिक स्थानों पर शालीन आचरण बनाए रखें।पुलिस महानिदेशक ने विशेष रूप से यातायात नियमों के पालन पर जोर देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और हेलमेट एवं अन्य सुरक्षा उपायों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान संयम, जिम्मेदारी और आपसी सम्मान का व्यवहार समाज में सकारात्मक संदेश देता है।उन्होंने आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश पुलिस प्रदेशभर में सतर्क है और नागरिकों के सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण उत्सव के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। आवश्यक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि होली का पर्व उल्लास और सौहार्द के साथ संपन्न हो सके।

ईरान संकट के बीच बहाल हुईं खाड़ी देशों की आठ उड़ानें, कैबिनेट मंत्री बोले सुरक्षित हैं प्रदेश के लोग

लखनऊ। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से खाड़ी देशों में विमानों का संचालन सोमवार को भी बाधित रहा। दुबई व ईरान का एयरस्पेस बंद होने से लगातार तीसरे दिन खाड़ी देशों की ओर जाने वाली उड़ानें निरस्त रहीं। हालांकि, लखनऊ एयरपोर्ट की एयर ऑपरेशन रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को निरस्त उड़ानों की संख्या 17 से घटकर 11 ही रही। सऊदी अरब व ओमान की आठ उड़ानें सोमवार को संचालित हुईं। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दुबई से सोमवार को आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आइएक्स-198 निरस्त रही। ऐसे ही दुबई जाने वाली आईएक्स 193, अबुधाबी से आने वाली इंडिगो की 6ई-1416, अबुधाबी जाने वाली इंडिगो की 6ई-1415, शारजाह से आने वाली इंडिगो की 6ई-1424, शारजाह जाने वाली इंडिगो की 6ई-1423, दुबई से आने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स-194, रियाद से आने वाली आईएक्स-190, रियाद जाने वाली आईएक्स 189, दम्माम से आने वाली इंडिगो की 6ई-098 व जाने वाली इंडिगो की 6ई-097 निरस्त रहीं। सोमवार को खाड़ी देशों से लखनऊ आने-जाने वाली आठ उड़ानें बहाल हुईं। इसमें मस्कट से लखनऊ आने वाली ओवी 705, लखनऊ से मस्कट जाने वाली ओवी 706, मस्कट से लखनऊ आने वाली डब्ल्यूवाइ 265, लखनऊ से मस्कट जाने वाली डब्ल्यूवाइ 266, रियाद से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक्सवाइ 333, लखनऊ से रियाद जाने वाली एक्सवाइ 334, जेद्दा से लखनऊ आने वाली एसवी 890, लखनऊ से जेद्दा जाने वाली एसवी 891 का संचालन हुआ। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि ईरान-इस्राइल तनाव के बीच यूपी के कामगार सुरक्षित हैं।

होली पर राजधानी में निर्बाध जलापूर्ति का विशेष प्रबंध, जलकल विभाग और निजी एजेंसी अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। होली के पर्व को देखते हुए राजधानी में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम के जलकल विभाग ने व्यापक और विशेष तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। 4 मार्च को होली के दिन पूरे शहर में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की जाएगी, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।नगर निगम के तीनों जलकल प्लांट तथा सभी ओवरहेड टैंक पूरे दिन पूर्ण क्षमता के साथ संचालित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सुबह 5 बजे से 9 बजे तक सभी जोनों में नलकूपों से सीधे पानी की आपूर्ति दी जाएगी, ताकि त्योहार के दिन अधिक जल उपयोग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जा सके।होली के दौरान जल एवं सीवर संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए अभियंताओं को 24 घंटे अलर्ट पर रखा गया है। उनके मोबाइल फोन सक्रिय रहेंगे, जिससे शिकायत मिलते ही मौके पर कार्रवाई की जा सके। जलापूर्ति संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जलकल विभाग ने कंट्रोल रूम नंबर 8177054100, 8177054003 और 8177054010 जारी किए हैं। नागरिक किसी भी प्रकार की जलापूर्ति बाधा की स्थिति में इन नंबरों पर तत्काल संपर्क कर सकते हैं।सीवर संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए नगर निगम की ओर से कार्यरत निजी कंपनी सूएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (जल एवं सीवर प्रबंधन एजेंसी) का टोल फ्री नंबर 18003130522 जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर नागरिक सीवर जाम, ओवरफ्लो या अन्य संबंधित समस्याओं की शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे होली के मद्देनज़र आवश्यकता के अनुसार समय पर पानी का संग्रह कर लें और किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत संबंधित कंट्रोल रूम पर सूचना दें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि त्योहार के दौरान राजधानी में जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु, संतुलित और प्रभावी बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं, ताकि होली का उत्सव आनंद और सुविधा के साथ मनाया जा सके।

प्रदेश में तेजी से पांव पसार रही है गर्मी, कई जिलों में पारा 33 पार; फतेहपुर रहा सूबे में सबसे गर्म शहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिन चढ़ने के साथ धूप में तल्खी महसूस की जा रही है। प्रदेश में गर्मी की दस्तक और तापमान में बढ़ोतरी के संकेत साफ नजर आने लगे हैं। सोमवार को 34.8 डिग्री अधिकतम तापामान के साथ झांसी प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। वहीं फतेहपुर में 34.6 डिग्री, वाराणसी में 33.6 डिग्री, हमीरपुर में 33.2 डिग्री और आगरा में 33 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। इसके साथ ही प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

साथ ही सोमवार को फाल्गुन पूर्णिमा के अवसर पर राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई हिस्सों में करीब 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से रूखी पछुआ हवा चली, जिसे स्थानीय भाषा में फगुनहट कहा जाता है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार मंगलवार से हवा की रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' पर बैठक, सेवा तीर्थ के रूप में विकसित करने का आह्वान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 3 मार्च को कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल की अध्यक्षता में सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशकों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' संबंधी कार्यालय ज्ञापन के अनुपालन में आयोजित की गई।बैठक का शुभारंभ स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। इसके पश्चात आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा ने 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' का वाचन किया और विश्वविद्यालय में सेवा-भाव आधारित कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने पर बल दिया।अपने संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने 'कर्मयोगी' की भावना से कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को 'सेवा तीर्थ' के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, नियमों एवं प्रक्रियाओं को त्वरित क्रियान्वयन के अनुरूप बनाने तथा निर्णयों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यार्थियों के हित में एक 'सेवा चार्टर' तैयार करने का सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों से संबंधित विषयों पर समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराया जाना चाहिए।कुलपति ने शिक्षकों से अपने पेशे को 'नोबल प्रोफेशन' मानते हुए सेवा-भाव से कार्य करने की अपील की। अधिकारियों को पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और जन-प्रतिक्रिया को प्राथमिकता देने का संदेश देते हुए विकसित एवं समावेशी भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।बैठक में शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने, अनावश्यक प्रक्रियाओं को समाप्त करने और कार्य संस्कृति में दक्षता लाने पर भी चर्चा की गई। साथ ही शिक्षकों से विद्यार्थियों में उद्यमिता क्षमता, मानवीय मूल्यों और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने का आह्वान किया गया।बैठक के अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा 'सेवा भाव' से कार्य करने का आश्वासन दिया।

मनुष्य की बुद्धि को चुनौती

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है।

जहां तक इस संज्ञानात्मक क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है।

इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के साढ़े 14 करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के 45 करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे। सर्वम ने इसी समिट में लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया है। लेकिन उसकी कामयाबी तभी मानी जाएगी, जब भारत में करोड़ों लोग इसे इस्तेमाल करना शुरू करेंगे। जैसे चीन के डीपसीक ने चीन को लोगों की जरुरतें पूरी की कम से कम वैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म की भारत में जरुरत है। ध्यान रहे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर 'कू' और ऑफिस सूट के तौर पर 'जोहो' की चर्चा खूब हुई। लेकिन भारत के लोग इस्तेमाल अमेरिकी सोशल मीडिया और ऑफिस सूट ही करते हैं। अगर ऐसी स्थिति एआई में भी रही तो भारत इस क्रांति की बस भी मिस करेगा।

एक नयी शहरी रुपरेखा: शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है। यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है। यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं। शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है। प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मज़बूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं। वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो। शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है। बाजार वित्तपोषण को अनिवार्य बनाकर और संरचित जोखिम-साझाकरण व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करके, यह डिजाइन, वित्तपोषण और संचालन में निजी भागीदारी को और अधिक व्यापक बनाता है। परियोजना तैयारी सहायता, लेनदेन सलाहकार सहायता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का मकसद परियोजना की व्यवहार्यता और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना है। अगर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह भारत के नगरपालिका बांड बाजार को और बड़ा कर सकता है और शहरी अवसंरचना के लिए वित्तपोषण आधार को व्यापक बना सकता है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस निधि को एक व्यापक हितधारक व्यवस्था के तहत रखा है। राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों, वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और निजी विकासकर्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे एक प्रतिस्पर्धी, चुनौती-आधारित प्रक्रिया के ज़रिए इसमें शामिल हों, जो तत्परता और नवाचार को पुरस्कृत करती है। राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर पर क्षमता निर्माण के प्रावधान इस ढांचे में अंतर्निहित हैं, यह मानते हुए कि वित्तीय मदद तक पहुंच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षता भी ज़रुरी है। डिजिटल निगरानी प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने और परिणाम-आधारित शासन को मज़बूत करने की अपेक्षा की जाती है। आगामी दशकों में भारत की शहरी आबादी में खासी वृद्धि होने वाली है और इसके साथ ही बुनियादी ढांचे की मांग भी बढ़ेगी। शहरी चुनौती कोष इसी दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और राजकोषीय स्थिरता को एक ही ढांचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है। आखिरकार क्या यह कोष भारत के शहरी विकास की दिशा बदल पाएगा, यह इसके क्रियान्वयन पर ही निर्भर करेगा। लेकिन इसका मकसद साफ है। शहरी चुनौती कोष शहरीकरण को एक वित्तीय बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक निवेश के अवसर के रूप में देखता है, जिसका लाभ उठाया जा सकता है।

टिप्पणी

यूरोपीय देशों की मुश्किल

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं।

पिछले महीने दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम के बाद अब जर्मनी में हुए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दुनिया में आए आमूल परिवर्तन से पैदा हुई चुनौतियां की गूंज सुनने को मिली। दावोस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी जो कहा, उसे म्यूनिख में जर्मन चांसलर फ्रीडरिक मर्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं ने दोहराया। स्वाभाविक रूप से यूरोपीय नेता इस परिवर्तन से अधिक परेशान हैं, क्योंकि नई परिस्थितियों में अमेरिका उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुकरता नजर आया है। उलटे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तार जोड़ लिए हैं, जिसे यूरोपीय सरकारें अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानती हैं। जर्मन चांसलर ने म्यूनिख में अपने यूरोपीय सहयोगियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि 'नियम आधारित' पुरानी विश्व व्यवस्था अब मौजूद नहीं है।

उसकी जगह महाशक्तियों की होड़ ने ले ली है। मर्ज ने इसे यूरोप के लिए खतरे की घंटी बताया। कहा कि हम अब एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो खुले तौर पर ताकत और सत्ता की राजनीति से परिभाषित होता है- जहां हर नियम-कायदे पर राष्ट्रीय हितों को तरजीह दी जा रही है। वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका की स्थिति पर भी उन्होंने स्पष्ट राय रखी। चेतावनी दी कि वैश्विक नेतृत्व पर अमेरिका का दावा अब चुनौती के घेरे में है- शायद यह खो भी चुका है। नतीजतन, दुनिया अब अनिश्चितता के दौर में है।

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। म्यूनिख में चीन की कई नेताओं ने यह कहते हुए कड़ी आलोचना की कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सुनियोजित रूप से दूसरे देशों की निर्भरता का फायदा उठाती है। चीन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नई व्याख्या कर रहा है और नियमों को अपने हिसाब से तोड़-मरोड़ रहा है। मगर करें क्या? इस सवाल पर कोई साफ समझ सामने नहीं आई। इस रूप में म्यूनिख दावोस का एक और संस्करण बनकर रह गया।

ब्लॉग

एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फ़िल्म 'ओ' रोमियो'

पंकज दुबे

फ़िल्म पत्रकार-लेखक हुसैन ज़ैदी की किताब 'द माफ़िया क्वींस ऑफ़ मुंबई' से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले ख़ुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। ज़ैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेज़ी सटीकता के साथ खोलती है।

आज के 'सिने-सोहबत में विशाल भारद्वाज की फ़िल्म 'ओ रोमियो पर विमर्श करते हैं। विशाल भारद्वाज जब भी सिनेमा बनाते हैं, वे कहानी नहीं, एक वातावरण रचते हैं। उनकी फ़िल्मों में हवा तक का रंग होता है और उस रंग में धूल, खून, प्रेम और पछतावे की परतें तैरती रहती हैं। 'ओ रोमियो इसी परंपरा का विस्तार है। एक ऐसी फ़िल्म जो माफ़िया की दुनिया को महज़ अपराध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्यता की विडंबना के रूप में देखती है।

यह फ़िल्म पत्रकार-लेखक हुसैन ज़ैदी की किताब 'द माफ़िया क्वींस ऑफ़ मुंबई से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले ख़ुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। ज़ैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेज़ी सटीकता के साथ खोलती है, वहीं विशाल भारद्वाज उसे सिनेमाई काव्य में रूपांतरित करते हैं। परिणामस्वरूप हमें एक ऐसा टेक्सचर मिलता है, जिसमें यथार्थ और रूपक एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं।

सबसे पहले बात करते हैं फ़िल्म 'ओ रोमियो की कहानी की। फ़िल्म का केंद्र है, उस्तुरा, जिस किरदार को शाहिद कपूर ने बारीकियों से निभाया है। उस्तुरा एक सुपारी किलर है, जिसकी आंखों में स्थिरता है और चाल में एक अजीब-सी ठंडक। वह पेशे से कातिल है, लेकिन उसके भीतर एक घायल कवि भी छिपा है।

कहानी का सूत्रपात तब होता है जब एक स्त्री उसके पास आती है, जिसका मक़सद है अपने पति की हत्या का बदला लेना। उसका पति गैंग में अकाउंटेंट था और अब आगे लम्बे समय तक गैंग में शामिल होने से मना कर देता है और मारा जाता है। वह चाहती है कि उस्तुरा उन सभी लोगों का सफ़ाया कर दे, जिन्होंने मिलकर नायिका के पति को मार डाला। यहीं से 'ओ रोमियो एक रिवेंज ड्रामा की शक्ल लेती है लेकिन यहीं वो पॉइंट है जो इस फ़िल्म की पहली समस्या भी है- 'इमोशनल डिस्कनेक्ट। नायिका (तृप्ति डिमरी) के विवाह, उसके प्रेम और उसके पति की हत्या का जो भावनात्मक परिप्रेक्ष्य होना चाहिए था, वह घोर अपर्याप्त है। दर्शक उसके दर्द से जुड़ नहीं पाते क्योंकि पटकथा उसे पर्याप्त स्क्रीन-टाइम नहीं देती। उसकी त्रासदी का ताप दर्शकों तक पूरी तरह संप्रेषित हो ही नहीं नहीं पाता।

यहां विशाल भारद्वाज की पोएट्री कहीं-कहीं पटकथा की कसावट पर भारी पड़ती दिखती है।

शाहिद का उस्तुरा एक सधे हुए अभिनेता की परिपक्वता का उदाहरण है। उनके संवाद कम हैं, पर आंखों का संवाद मुखर है। वे अपने शरीर की भाषा से किरदार को जीवित करते हैं। हिंसा के दृश्यों में वे अतिरेक से बचते हैं और यही संयम उनके अभिनय को प्रभावी बनाता है।

नायिका (तृप्ति डिमरी) की भूमिका संभावनाशील थी, परंतु लेखन की कमी ने उसे सीमित कर दिया। उसके चरित्र में प्रतिशोध की ज्वाला है, पर उस ज्वाला की पृष्ठभूमि अधूरी है। स्पेन में बैठा खलनायक, जिसे अविनाश तिवारी ने निभाया है, अपने 'बुल फाइट के शौक में अधिक दिखता है, पर उसके भीतर की वैचारिक या भावनात्मक प्रेरणा स्पष्ट नहीं होती। उसका मोटिव धुंधला है। वह क्यों इतना क्रूर है? उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? उसकी निजी हानि या महत्वाकांक्षा का आयाम क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर फ़िल्म नहीं देती। परिणामस्वरूप वह एक प्रभावशाली दृश्य उपस्थिति तो बनता है, पर स्मरणीय खलनायक नहीं। एक वक़्त के बाद वह डरावना विलेन नहीं, बल्कि एक ड्रामा करता कैरीकेचर ही लगता है।

बाक़ी कलाकारों में नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया के साधे हुए काम के साथ साथ अरुणा ईरानी और फ़रीदा जलाल को भी काफ़ी समय के बाद बड़े परदे पर देखने का मौक़ा मिलता है। विशाल भारद्वाज की सभी फिल्मों में संगीत तो शानदार होता ही है। इसमें भी संगीत विशाल का ही है और गीत लिखे हैं गुलज़ार ने। इन दोनों की कॉम्बिनेशन हमेशा ही डेडली रहती है। इस फ़िल्म में भी धुनों में छिपी दास्तान रह रह कर कंफ्यूज करती है कि कहीं हम फ़िल्म को नकार देने में जल्दबाज़ी तो नहीं कर रहे। यहां भी बैकग्रॉउंड म्यूज़कि में सूफ़ियाना तान और पश्चिमी गिटार का संगम है। गीतों में एक ग़ज़लनुमा उदासी है, जो माफ़िया की दुनिया के भीतर भी प्रेम की संभावना को जीवित रखती है। कुछ गीत कहानी को आगे बढ़ाते हैं, पर कुछ स्थानों पर गति को बाधित भी करते हैं। एडिटिंग की दृष्टि से कुछ ट्रैक्स को बहुत आसानी से छोटा किया जा सकता था।

फ़िल्म का विज़ुअल पैलेट गहरा है। मटमैले रंग, बारिश से भीगी गलियां, और समुद्र के किनारे की वीरानी। मुंबई यहां सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक पात्र है। कैमरा अक्सर स्थिर रहता है, जैसे अपराध के शोर के बीच भी कोई मौन साक्षी हो।

स्पेन के दृश्य, विशेषकर बुल फाइट एक रूपक की तरह इस्तेमाल किए गए हैं। मनुष्य और पशु की लड़ाई यहां सत्ता और वर्चस्व की प्रतीक बनती है। परंतु, यह रूपक जितना सुंदर दिखता है, उतना ही भावनात्मक स्तर पर अलग-थलग भी प्रतीत होता है। खलनायक का स्पेन में व्यस्त रहना कहानी की मुख्य धारा से उसे काट देता है।

विशाल भारद्वाज का निर्देशन हमेशा की तरह सधा हुआ है। वे हिंसा को ग्लैमराइज़ नहीं करते, बल्कि उसे एक नैतिक प्रश्न की तरह प्रस्तुत करते हैं। कैमरे की गति, फ्रेम की रचना और प्रकाश का प्रयोग उन्हें समकालीन निर्देशकों से अलग करता है। परंतु, इस बार उनकी शेक्सपीरियन प्रवृत्ति कहीं-कहीं कथा की ठोस ज़मीन से दूर ले जाती है। फ़िल्म का शीर्षक 'ओ 'रोमियो अपने भीतर प्रेम और त्रासदी का संकेत देता है, पर प्रेम की वह गहराई परदे पर पूरी तरह साकार नहीं हो पाती।

'ओ रोमियो की पटकथा में कई चमकते क्षण हैं। इसके संवादों में साहित्यिकता है, दृश्य-रचना में प्रतीकात्मकता है लेकिन इमोशंस के डिपार्टमेंट में यह फ़िल्म सभी तामझाम के बावजूद चूक जाती है। चूंकि फ़िल्म का स्रोत 'द माफ़िया क्वींस ऑफ़ मुंबई है, इसलिए अपेक्षा थी कि स्त्री के दृष्टिकोण को अधिक गहराई से उभारा जाएगा। फिल्म उस दिशा में जाती तो है, पर पूर्णता तक नहीं पहुंचती।

फ़िल्म यह प्रश्न उठाती है कि क्या अपराध की दुनिया में भी प्रेम संभव है? क्या प्रतिशोध ही मुक्ति है? क्या हिंसा के चक्र से बाहर निकलने का कोई रास्ता है?

'ओ रोमियो एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फ़िल्म है। यह मनोरंजन से अधिक एक अनुभव है। शाहिद कपूर का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा। विशाल भारद्वाज की सौंदर्य दृष्टि एक बार फिर सिद्ध करती है कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट फिल्मकारों में से एक हैं। परंतु, यह फ़िल्म महान होने से कुछ कदम दूर रह जाती है। मुख्यतः भावनात्मक निवेश की कमी और खलनायक की अस्पष्टता के कारण।

फिर भी, इस फ़िल्म को इसलिए भी देखना ज़रूरी है क्योंकि यह हमें याद दिलाती है कि अपराध की दुनिया में भी कविता छिपी हो सकती है, और प्रेम कभी-कभी उस्तुरे की धार पर भी खिल सकता है। यह ऐसा सिनेमा है जो चोट भी करता है और सोचने पर मजबूर भी। नज़दीकी सिनेमाघरों में है। देख लीजिएगा।

सपा का होली मिलन समारोह, मंच छोड़ कार्यकर्ताओं के बीच बैठे अखिलेश, बोले- आप ही असली ताकत

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। इटावा जिले के सैफई में सपा के होली मिलन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का एक अलग और आत्मीय अंदाज देखने को मिला। अखिलेश यादव ने प्रोटोकॉल और औपचारिकताओं को दरकिनार कर दिया। इसके बाद मंच से उतरक कार्यकर्ताओं के बीच जाकर बैठ गए। उन्होंने कहा कि आज आपके साथ बैठूंगा...आप ही असली ताकत हैं।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि भैया (अखिलेश यादव) जब हमारे साथ बैठकर बात करते हैं, तो महसूस होता है कि वह आज भी जमीन से जुड़े नेता हैं। सैफई की होली इसलिए खास है, क्योंकि यहां किसी में कोई फर्क नहीं रहता।

मंच छोड़ कार्यकर्ताओं के बीच बैठे अखिलेश

बता दें कि सैफई में सपा के ब्लॉक कार्यालय में होली मिलन समारोह है। इसमें अखिलेश यादव, डिंपल यादव, शिवपाल यादव समेत पूरा परिवार मौजूद है। साथ ही, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद हैं। आल्हा गायन का कार्यक्रम चल रहा है। वहीं, आज रंग नहीं खेला जा रहा है। इसी दौरान अखिलेश यादव मंच से उतरकर कार्यकर्ताओं के बीच जाकर बैठ गए।

भाईचारे और एकता का दिया संदेश

अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सादगी और आत्मीयता के साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान अखिलेश यादव ने सभी से अपील की कि होली का पर्व शांति, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार भाईचारे और एकता का संदेश देता है, इसलिए इसे मर्यादा और सद्भाव के साथ मनाया जाना चाहिए।

मंदिर में दो नाबालिगों को बेरहमी से पीटा, साधु वेशधारी ने कई बार लात मारी, गिड़गिड़ाते रहे दोनों बालक

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के तिलहर स्थित कछियानी खेड़ा मंदिर में चोरी का आरोप लगाकर दो नाबालिगों को बेरहमी से पीटा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दो बालकों को कुछ लोग पीटते दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक साधु वेशधारी है, जो बच्चे का हाथ पकड़कर उसे लात से पीटता है। इस मामले में थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तिलहर कस्बा के लोकेश कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया कि वह मंगलवार को कछियानी खेड़ा मंदिर में पूजा करने के लिए गए थे। तभी वहां मंदिर समिति के सचिव व अन्य लोग दो बालकों की पिटाई कर रहे थे। उनके अलावा अन्य लोग भी बालकों को पीटते हुए नजर आ रहे

हैं। साधु वेशधारी व्यक्ति ने एक बालक को लातों से पीटा तो दूसरे व्यक्ति ने चप्पल से उसकी पिटाई की। दोनों बालक गिड़गिड़ाते नजर आ रहे हैं, लेकिन आरोपी उन पर जरा भी तरस नहीं खाते।

महिलाओं के रुपये चुराने का आरोप

घटना के वक्त वहां खाकी वर्दी पहने एक व्यक्ति भी खड़ा नजर आ रहा है। उसने भी दोनों बालकों को बचाने का प्रयास नहीं किया। आरोप है कि इन बालकों ने मंदिर में दो महिलाओं के रुपये चुरा लिए थे। लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद उनकी पिटाई कर दी। मामले की तहरीर मिलने के बाद पुलिस अलर्ट हो गई है। थाना प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

बाइक सवार दो दोस्तों की हादसे में मौत, तीसरा गंभीर, 11 दिन पहले ही हुई थी छोटे की शादी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना मडराक इलाके के आगरा रोड स्थित शाहपुर गांव के पास सोमवार देर रात बाइक सवार तीन दोस्तों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरे को गंभीर हालत में जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

तीनों शहर के थाना सासनीगेट क्षेत्र के पला होली चौक के रहने वाले हैं और हाथरस के कस्बा सासनी में अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। एक ही मोहल्ले में दो युवकों की मौत के बाद होली की खुशियां मातम में बदल गई हैं। थाना सासनीगेट इलाके के होली पला चौक निवासी छोटे (22) पुत्र हरि सिंह, भूपेंद्र (23) पुत्र कालीचरन और नरेश(25) पुत्र महेंद्र सिंह आपस में दोस्त हैं। सोमवार रात करीब 11:30 बजे तीनों भूपेंद्र की रिश्तेदारी में सासनी, हाथरस जाने के लिए बाइक से निकले थे।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

थाना मडराक इलाके के आगरा रोड स्थित शाहपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उन्हें मलखान सिंह जिला अस्पताल लेकर पहुंची। जहां चिकित्सकों ने छोटे और भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। तीसरे घायल नरेश को उपचार के लिए जेएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। एक ही मोहल्ले के दो युवकों की मौत इलाके में मातम पसर गया है। इसमें छोटे की अभी 11 दिन पहले ही 20 फरवरी को शादी हुई थी। पत्नी और परिजनों का का रो-रोकर बुरा हाल है।

कट्टरपंथी जीशान को खोड़ा और लोनी से मिला था लाखों का चंदा, विवादित तकरीरों की वीडियो ; एनकाउंटर में ढेर

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। मजहबी कट्टरपंथी का विरोध करने वाले यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर जानलेवा हमला अचानक नहीं हुआ। मुठभेड़ में ढेर हुए जीशान को इसके लिए कट्टरपंथी संगठनों ने चंदा दिया था। क्राइम ब्रांच की जांच में उजागर हुआ है कि लोनी और खोड़ा क्षेत्र से भी कट्टरपंथी जीशान को चंदा दिया गया है। इतना ही नहीं इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सलीम वास्तिक को पूर्व में भी चेतावनी दी गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने सोशल मीडिया से कट्टरपंथी जीशान की विवादित तकरीरों की 15 वीडियो कब्जे में ली हैं। सलीम की हालत में अभी सुधार नहीं हुआ है। इसके बाद उनको निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में ढेर एक लाख का ईनामी जीशान सोशल

मीडिया पर सक्रिय रहता था। दिसंबर 1992 में धार्मिक स्थल के विध्वंस का बदला लेने के लिए साजिश रच रहा था। वह सोशल मीडिया पर युवाओं को बरगलाता था।

उसने इंस्टाग्राम पर एक दर्जन से अधिक वीडियो अपलोड की हैं, जिनमें वह युवाओं को देशद्रोह करने के लिए बरगलाता नजर आ रहा है। देश के अलग-अलग राज्यों में हुई घटनाओं को धार्मिक उन्माद से जोड़कर युवाओं को बदला लेने के लिए उकसाता था।

वीडियो में धार्मिक तकरीरों के जरिए हथियार उठाने की अपील करता नजर आ रहा है। जीशान और उसका भाई फुरकान कट्टरपंथी संगठन मुस्लिम आर्मी मेहदी मॉडरेटर से भी जुड़ा था। इसका प्रचार-प्रसार वह टेलीग्राम चैनल के जरिये करता था। हर करतूत में उसका भाई फुरकान भी शामिल था।

एलआईयू की कार्यशैली पर फिर उठे सवाल

अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे सलीम वास्तिक पर हुए हमले की योजना नई नहीं है। सोशल मीडिया और कट्टरपंथी संगठनों की जारी वीडियो ने एलआईयू विभाग की कार्यशैली पर एक बार फिर से सवाल उठे हैं। सोशल मीडिया पर खुलेआम कट्टरपंथी जीशान खोड़ा में रहकर वीडियो अपलोड करता रहा और धमकी देता रहा। इसके बावजूद भी एलआईयू की टीम ने उच्चाधिकारियों को अवगत नहीं कराया।

मुठभेड़ में ढेर हुआ जीशान पाकिस्तान के एक यूट्यूबर के संपर्क में था। घटना के बाद इस यूट्यूबर की वीडियो भी जमकर वायरल हो रही है। इसके बावजूद भी एलआईयू की टीम ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। मुठभेड़ में ढेर हुआ जीशान सोशल मीडिया के जरिए धार्मिक उन्माद फैलाने के मंसूबे रच रहा था। उसकी विवादित तकरीरों और युवाओं को बरगलाने वाली कुछ वीडियो जांच में शामिल की गई हैं। खोड़ा और लोनी क्षेत्र कुछ मजहबी कट्टरपंथियों के जीशान को संगठन मजबूत करने के लिए चंदा देने की बात भी उजागर हुई है। मृतक के खाते सीज कर इस मामले की जांच की जा रही है। -पीयूष कुमार सिंह, एडीसीपी अपराध

गाजियाबाद की अशोक विहार अली गार्डन कॉलोनी में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हमले के मामले में जहां जीशान को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर किया है, वहीं उसका मोबाइल अब इस पूरे घटनाक्रम और उसके पीछे की सोच के बारे में जानकारी देगा। उसके पास से मेड इन इटली पिस्टल मिलने से पुलिस इसमें अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जीशान के इंस्टाग्राम पर कुछ कट्टरपंथी ग्रुप से जुड़े होने की जानकारी मिली है। उसके पास से मिले मोबाइल फोन को भी फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। अंदेशा है कि इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हों। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जीशान की मौत हो चुकी है। सही जानकारी उसके साथियों की गिरफ्तारी के बाद सामने आएगी।

सतर्कता के बीच 3183 स्थानों पर होलिका दहन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों मे 3183 स्थानों पर पूरे रीत रिवाज और विधि विधान से प्रशासन की कड़ी सतर्कता के बीच होलिका दहन किया गया। बदलापुर क्षेत्र में होलिका दहन का पर्व पुलिस प्रशासन की कड़ी सतर्कता के बीच शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पर्व को लेकर प्रशासन पहले से ही पूरी तरह अलर्ट था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सीओ बदलापुर सुनील कुमार तिवारी और एसडीएम योगिता सिंह ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर रूट मार्च किया। अधिकारियों ने लोगों से शांति और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की सलाह भी दी। प्रशासन की सक्रियता और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से क्षेत्र में कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। होलिका दहन का आयोजन परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। पुलिस प्रशासन ने आगामी होली पर्व को भी शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सभी के सहयोग को आवश्यक बताया। बक्शा थाना क्षेत्र के लखनीपुर गांव में मंगलवार की भोर में होलिका दहन किया गया। अल्पसंख्यक बस्ती के समीप सुबह सवा पांच बजे श्होलिका मैया की जयश के उद्घोष के साथ होलिका जलाई गई।होलिका दहन के समय चुरावनपुर गांव के हिंदू समुदाय के सदस्य और लखनीपुर गांव के मुस्लिम युवक भी उपस्थित थे। यह आयोजन सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बना। ब्राह्मण विद्वानों ने होलिका जलाने का शुभ मुहूर्त सुबह 4 बजकर 58 मिनट के बाद बताया था।

ब्रेकर पर बाइक से उछलकर गिरी महिला, पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दी, भयानक हादसा देख पिता हो गया बेहोश

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। कासगंज के पटियाली में दर्दनाक हादसे में महिला की मौत हो गई। वह अपने पिता के साथ बाइक से जा रही थी। ब्रेकर पर वो बाइक से उझलकर गिर गई। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कस्बा पटियाली के मोहल्ला काजी अस्थाई निवासी बबलू कुरैशी अपनी विवाहिता पुत्री 25 वर्षीय रूही को दवा दिलाने के लिए बाइक से कायमगंज जा रहे थे। कायमगंज रेलवे फाटक के पास पहुंचते ही, सड़क पर बने एक ब्रेकर से उनकी बाइक अचानक उछल गई। इस झटके से पीछे बैठी रूही अपना संतुलन खो बैठी और सड़क पर गिर पड़ी। दुर्भाग्यवश, ठीक उसी समय पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक

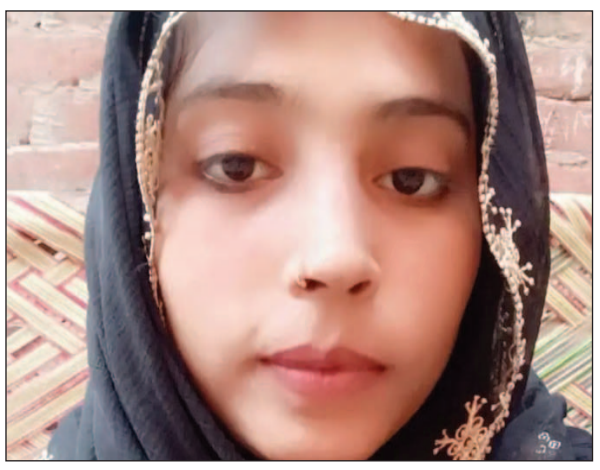

के पहियों ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसा देख पिता हो गए बेहोश

अचानक हुए इस भयावह हादसे को देखकर पिता बबलू कुरैशी सदमे में आ गए और गश खाकर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक को भी जब्त कर लिया।

ससुराल और मायके में मचा कोहराम

रूही की अचानक और दर्दनाक मौत की खबर जैसे ही उसके मायके और ससुराल पक्ष को मिली, दोनों परिवारों में चीत्कार मच गई। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद, देर रात रूही का शव उसके पति सुहेल कुरैशी अपने गांव, थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम उजीर का नगला ले आए, जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया।

अनाथ हो गई दो मासूम बेटियां

इस दुखद घटना ने रूही के पीछे उसकी दो मासूम बेटियों, डेढ़ वर्षीय माही और छह माह की बेबी को अनाथ छोड़ दिया है। परिजनों के साथ रोते-बिलखते बच्चों का दृश्य अत्यंत मार्मिक था।

दिव्यांग परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला , चार घायल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के सुरहुरपुर गांव में रात में दबंगो ने गाली गलौज कक विरोध करने पर एक परिवार के चार दिव्यांगों को पर कुल्हाड़ी व लाठी डंडे से हमलाकर घायल कर दिया।घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है।उक्त गांव निवासी सुधनाथ चैहान के परिवार के बच्चों से 10 दिन पूर्व गांव के ही राजेन्द्र चैहान के बच्चों से विवाद हो गया था।जिसमे सुधनाथ चैहान ने थाने जाकर सूचना दिया था।उसके बाद आरोप है कि एक मार्च की रात को विपक्षी राजेन्द्र चैहान ने सुधनाथ के परिवार को गाली गलौज देने लगा।जब उन्होंने इसका विरोध किया तो राजेन्द्र चैहान तथा उसके परिवार के अन्य लोगो ने सुधनाथ चैहान 55 वर्ष, उनकी पत्नी उर्मिला चैहान 50 वर्ष,उनके पुत्र काशी चैहान 32 वर्ष तथा बहु रीता चैहान 28 वर्ष को कुल्हाड़ी व डंडे से मारकर घायल कर दिया है।घायलों में सुधनाथ चैहान एक आंख से दिव्यांग है।वही उनकी पत्नी उर्मिला चैहान दो पैर से दिव्यांग है।उनका पुत्र काशी नाथ चैहान एक पैर से तथा उसकी पत्नी रीता एक आँखनसे दिव्यांग है।सुधनाथ का छोटा पुत्र प्रताप चैहान मुंबई में रहता है।घटना की जानकारी होने पर वह मंगलवार को घर आया।फिलहाल अभी तहरीर नही पड़ी है।उसने बताया कि वह परिवार से मिलकर सारी जानकारी लेने के बाद तहरीर देगा।थानाप्रभारी गजानन्द चैबे ने बताया कि घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर गयी थी।सुधनाथ चैहान के छोटे बेटे ने मोबाइल पर बात किया है।वह मुम्बई से आने के बाद तहरीर देने को बोला है।

बस से गिरकर टायर के नीचे कुचली गई थी मासूम अनन्या, अलीगढ़ पुलिस ने अब स्कूल प्रबंधक को भी किया अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ के माउंट देव इंटरनेशनल स्कूल की बस में हुए दिल दहला देने वाले हादसे में पुलिस और प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। जर्जर बस के टूटे फर्श से गिरकर 7 साल की मासूम अनन्या की मौत के मामले में स्कूल प्रबंधक और चालक को जेल भेज दिया गया है। वहीं, शासन ने परिवहन विभाग के बड़े अधिकारियों पर भी गाज गिराई है। घटना शनिवार की है, जब यूकेजी (UKG) की छात्रा अनन्या स्कूल की छुट्टी के बाद बस से घर लौट रही थी। बस की हालत इतनी जर्जर थी कि अचानक से उसका फर्श टूट गया। मासूम अनन्या उसी टूटे फर्श से नीचे टायर पर गिर गई और पहिये से कुचलने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पहले इस केस में स्कूल बस के

ड्राइवर चंद्रप्रकाश को अरेस्ट किया गया था। अब पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्कूल प्रबंधक अरविंद यादव को भी मथुरा से गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने इन पर गैर-इरादतन हत्या (धारा 304) और गंभीर लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है।

पिता की चेतावनी को किया गया नजरअंदाज

अनन्या के पिता रवि कुमार ने एफआईआर (FIR) में खुलासा किया है कि उन्होंने कई बार पीटीएम (PTM) में बस की खस्ता हालत की शिकायत प्रबंधक अरविंद यादव से की थी। उन्होंने बस में एक हेल्पर रखने और जर्जर फर्श को ठीक कराने की मांग की थी, लेकिन प्रबंधक ने इसे अनसुना कर दिया।

नियम ताक पर, सस्पेंड हुए अफसर

जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। बिना परमिट दौड़ रही थी बसः बस (UP 81 BT 8873) के परमिट की वैधता 19 सितंबर 2024 को ही समाप्त हो गई थी। आरटीओ कार्यालय ने स्कूल को तीन बार (फरवरी, जून और सितंबर 2025 में) नोटिस भेजा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व में भी इस बस पर 27 हजार रुपये का चालान किया गया था। लापरवाही बरतने के आरोप में शासन ने आरटीओ वंदना सिंह और तत्कालीन आरआई चंपालाल को निलंबित कर दिया है।

स्कूल की मान्यता पर संकट

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) डॉ। राकेश कुमार सिंह ने स्कूल प्रबंधक और प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक सप्ताह के अंदर संतोषजनक जवाब न मिलने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही, स्कूल की केयरटेकर रीना यादव के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

होली पर 'प्रहलाद के गांव' में 'अग्निपरीक्षा', धधकते अंगारों से होकर निकले संजू पंडा

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। भक्त प्रह्लाद और होलिका दहन की लीला गांव फालैन में जीवंत हुई। शुभ मुहूर्त पर संजू पंडा पहली बार होलिका के दहकते अंगारों के बीच सकुशल गुजर गए। इसी अग्नि परीक्षा को देने के लिए गांव के संजू पंडा ने एक माह तक तप किया था। श्रद्धालु होलिका से संजू पंडा के बच निकलने के उस दुर्लभ चमत्कारिक क्षण को देखने को आतुर थे।

मंगलवार को तड़के करीब चार बजे मंदिर में तप पर बैठे संजू पंडा ने अखंड ज्योति पर हाथ रखकर शीतलता महसूस की। हालांकि उस समय होलिका की लपटों ने चारों ओर खड़े श्रद्धालुओं को काफी पीछे धकेल दिया लेकिन ज्यों ही संजू पंडा प्रह्लाद की माला को धारण कर निकले भक्त प्रह्लाद के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। प्रहलाद कुंड में स्नान के बाद चार बजकर 15 मिनट पर संजू पंडा ने धधकती होलिका की ओर दौड़ लगा दी।

धधकती होली की लपटों के बीच जब संजू पंडा दिखाई दिए तो वहां सन्नाटा पसर गया। ऐसा लग रहा था कि माना कुछ पलों के लिए वहां मौजूद लोगों की सांसें थम गईं हो। जैसे ही संजू पंडा अंगारों पर चलते हुए सुरक्षित बाहर निकले, पूरा गांव भगवान श्रीकृष्ण और प्रहलाद के जयकारों से गूंज उठा। लोग इसे चमत्कार मान रहे थे।

होलिका के अंगारों पर 10 कदम रखकर पंडा होलिका से सकुशल बाहर निकले। मेला आचार्य पंडित भगवान सहाय एवं ग्रामीणों ने उन्हें अपनी गोद में भर लिया। चारों तरफ जय-जयकार के साथ गुलाल उड़ना शुरू हो गया। पंडा ने मंदिर में पहुंच कर पूजा अर्चना की। इस क्षण के हजारों श्रद्धालु गवाह बने।

स्वाद से लेकर मस्ती तक होली पार्टी रहेगी मजेदार, ये 5 चीजें जरूर रखें

होली पार्टी में आप बस जमकर मस्ती करें और किसी तरह की झंझट महसूस न हो। इसके लिए जरूरी है कि सारी तैयारी पूरी प्लानिंग के साथ की जाए। तो चलिए जान लेते हैं ऐसी 5 चीजों के बारे में जो आपकी होली पार्टी को और भी जबरदस्त बना देंगी।

होली पर सिर्फ रंगों के साथ जमकर सेलिब्रेट करने का मौका ही नहीं होता है बल्कि ये दिन रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर होता है। सोसाइटी से लेकर लोग घरों में भी होली पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं। अगर आप भी इस बार होली पार्टी प्लान कर रहे हैं तो छोटी-छोटी सी तैयारी आपकी इस होली की मस्ती को दोगुना कर देंगी। इस आर्टिकल में डेकोरेशन थीम ले लेकर फूड कॉर्नर तक जानेंगे कि आप कैसे कुछ क्रिएटिव आइडिया के साथ होली पार्टी में एक परफेक्ट मस्ती भरा माहौल बना सकते हैं जो इस दिन को यादगार बना देंगे। होली पार्टी में मेहमानों की सुविधा, से लेकर उनकी सेफ्टी और एंटरटेनमेंट का ध्यान रखते हुए जान लें कैसे करें होली पार्टी ऑर्गेनाइज।

एक परफेक्ट होली पार्टी यानी सही थीम, सेफ कलर्स, फेस्टिव परफेक्ट डेकोरेशन और मेहमानों के लिए किए जाने वाले खास इंतजाम। जब स्वाद, संगीत और रंगों का तालमेल परफेक्ट होता है तो जश्न खुद ही वाइब्रेंट फील देता है। छोटी-छोटी डिटेल्स आपकी होली पार्टी को खास बना देंगी। आइए जान लेते हैं ये 5 जरूरी चीजें।

फ्लोरल कलर थीम

आप होली पार्टी की थीम फ्लोरल रख सकते हैं। ये आपकी पार्टी में फ्रेशनेश की फील देगी और हर तरफ कलरफुल एनवायरमेंट आपकी होली पार्टी को और भी शानदार बना देगा। जैसे आप फ्लोरल कॉर्टेन का यूज कर सकते हैं। डेकोरेशन में अलग-अलग रंगों के फूलों और कलरफुल पेपर स्क्रैप का इस्तेमाल करें। इसी के साथ आप ड्रेस कोड भी वाइट बेस का फ्लोरल ही रखें। इससे पार्टी का माहौल फोटो-फ्रेंडली भी बनेगा।

सेल्फी कॉर्नर जरूर रखें

होली पार्टी में एक जरूरी चीज का ध्यान रखें कि सेल्फी कॉर्नर जरूर बनाएं।दरअसल सोशल मीडिया का दौर है तो रील्स, फोटो तो होने ही चाहिए। इसके लिए आप कलरफुल बैकड्रॉप, रंग-बिरंगे गुब्बारे, फूल और मजेदार प्रॉप्स से डेकोरेशन करें। ये कोना यादगार पलों को कैद करने के लिए जरूरी है।

फूड कॉर्नर में रखें ये चीजें

होली पार्टी में रंगों और मस्ती के साथ ही स्वाद का तड़का जरूर होना चाहिए। आप पारंपरिक चीजों जैसे गुजिया के अलावा रंग-बिरंगी वाइब्रेंट टेस्ट वाली ड्रिंक्स जरूर रखें। अगर हम ड्रिंक की बात करें तो ठंडाई होली पार्टी की जान होती हैं, लेकिन भांग न रखें, क्योंकि इससे बाद में मस्ती के रंग में भंग हो जाता है। आप पान ठंडाई, फ्रूट पंच, जलजीरा, पुदीना जैसे मॉकटेल ले सकते हैं। इनको ट्रांसपेरेंट गिलास में सर्व करें। इसके अलावा आपको कम ऑयल वाले हल्के स्नैक्स रखने हैं जो फटाफट तैयार भी हो जाते हैं और हैवी भी महसूस नहीं होता है। कॉर्न चाट, मैक्सिकन भेल, पापड़ी चाट, ठंडे सैंडविच,

छोटे गिफ्ट हैंपर रखें

आप होली पार्टी के माहौल को और भी एक्साइटेड बनाने के लिए कुछ छोटे गिफ्ट हैंपर रखें, लेकिन इसके लिए आपको छोटे-छोटे गेम ऑर्गेनाइज करने होंगे और जो जीते उसे ये गिफ्ट हैंपर दें। इनमें आप कुछ नट्स, सीड्स के मिक्स, स्वीट्स,चॉकलेट, पेन डायरी, रख सकते हैं और इसके साथ ही छोटा सा ग्रीटिंग कार्ड जरूर शामिल करें। लोग इस पार्टी को याद रखेंगे।

सेफ्टी भी है जरूरी

होली पार्टी में सेफ्टी भी बेहद जरूरी है। आप त्वचा और पर्यावरण की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। इसके लिए ऑर्गेनिक रंगों का यूज करना चाहिए।आप केमिकल फ्री गुलाल ले सकते हैं। इसके अलावा आप फूलों से होली खेल सकते हैं। बस इस बारे में आपके पहले ही सारे गेस्ट को बताना होगा। वहीं होली पार्टी एंट्री के लिए आप एक खास इंतजाम कर सकते हैं। वो है स्पैक्स। आप गेट पर ही सभी को फंकी डिजाइन के चश्मा देते जाएं। ये लुक को होली परफेक्ट बनाएंगे और आंखों में रंग जाने का डर भी नहीं रहेगा।

होली पर दमकेगी त्वचा, रंग भी हो जाएगा साफ... देसी चीजों से बनाएं उबटन

होली पर रंग खेलने के बाद त्वचा का बुरा हाल हो जाता है। इसके लिए जरूरी है कि आप ऑर्गेनिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। इसके बावजूद भी कई बार त्वचा पर रंग बैठ जाते हैं, जिसको हटाने का नेचुरल तरीका है उबटन लगाना। होली पर स्किन को सुरक्षित रखने के साथ ही और उसे नेचुरली ग्लोइंग बनाने के लिए घर पर बनाया गया उसने एक बढ़िया ऑप्शन होता है। भारत में कई घरों में होली के एक दिन पहले उबटन लगाने की परंपरा होती है या फिर रंग खेलने के बाद लोग नहाने से पहले उबटन का लेप करते हैं। दरअसल ये हमारे बुजुर्गों का एक बेहतरीन तरीका था त्वचा को साफ करने और हेल्दी बनाए रखने का।

उबटन बनाना बहुत ज्यादा झंझट वाला काम भी नहीं होता है। बस आपको सारी चीजों को एक साथ मिलाना होता है। उबटन बनाने के बहुत सारे इन्ग्रेडिएन्ट्स तो आसान से आपको रसोई में ही मिल जाते हैं। तो चलिए देख लेते हैं होली के लिए पारंपरिक उबटन को बनाने का तरीका और ये भी जान लेते हैं कि इसे कैसे आप अपनी स्किन पर अप्लाई कर सकते हैं।

उबटन के इनग्रेडिएंट्स

इस उबटन को बनाने के लिए आपको चाहिए होगा बेसन, दही या कच्चा दूध, हल्दी, नींबू का रस, बादाम या नारियल का तेल। आप इन सारी चीजों को अपनी जरूरत के मुताबिक ले सकते हैं। जैसे अगर आपने 2 चम्मच बेसन लिया है तो इतना ही दही लें। हल्दी इसकी आधी मात्रा में लेनी है। वहीं अगर उबटन ज्यादा गाढ़ा हो रहा हो तो इसे स्मूथ बनाने के लिए कच्चे दूध या फिर गुलाब जल का यूज किया जा सकता है।

कैसे बनाएं उबटन?

आपको एक बड़ा बाउल लेना है। इसमें बेसन को छान लें। इसमें दही मिलाएं। हल्दी डालें और तेल भी मिलाएं। इन सारी चीजों को अच्छी तरह से किसी चम्मच से मिलाकर स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसमें आप जरूरत के मुताबिक नींबू का रस डालें। ध्यान रखें कि नींबू का रस कम यूज करना है, क्योंकि ये एसिडिक होता है। सेंसिटिव स्किन है तो लेमन जूस अवॉइड करें। आप इस उबटन को होली के एक दिन पहले भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

कैसे लगाएं उबटन?

आप इस उबटन को चेहरे से लेकर पूरे शरीर पर लगा सकते हैं। इसे कम से कम 15 मिनट तक लगा रहने दें। जब ये 70 प्रतिशत तक सूख जाए तो हाथों में दूध या गुलाबजल लेकर सर्कुलर मोशन में मसाज करते हुए उबटन को हटा दें। इसके बाद गुनगुने पानी से नहाएं। आप होली के अलावा भी इस उबटन को हर 15 दिन में यूज कर सकते हैं, जिससे त्वचा हेल्दी रहती है।

उबटन से मिलते हैं ये फायदे

इस उबटन में दही इस्तेमाल किया गया है जो त्वचा को नमी देने के साथ ही क्लीन भी करता है। इससे स्किन मुलायम भी बनती है। इसके अलावा हल्दी रंगत निखारने का काम करती है तो वहीं बेसन डेड स्किन सेल्स और गंदगी को साफ करने का काम करता है। इससे पोर्स भी साफ होते हैं, जिससे बार-बार स्किन प्रॉब्लम होने की संभावना भी कम होती है। रंग खेलने के बाद ये उबटन आपकी त्वचा को सूदिंग इफेक्ट देने का काम भी करता है।

कहीं नथुली तो कहीं शांख पोलाभारत के अलग-अलग राज्यों में दुल्हन को जरूर पहनाई जाती हैं ये ट्रेडिशनल ज्वेलरी

शादी में दुल्हन का श्रृंगार खास मायने रखता है। नाक में पहनी नथ, हाथों में चूड़ा और गले में रानी हार से लेकर कुछ ज्वेलरी ऐसी भी होती हैं, जिन्हें पहनना जरूरी होता है। कहीं नथुली तो कहीं शाखा पोला... हर राज्य की अपनी अलग ट्रेडिशनल ज्वेलरी है। चलिए जानते हैं उनके बारे में।

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान का उत्सव होती है। यहां हर राज्य, हर समुदाय और हर परिवार की अपनी अलग परंपरा है, जो शादी के हर रस्म में साफ झलकती है। खासतौर पर दुल्हन का श्रृंगार तो भारतीय विवाह का सबसे आकर्षक और भावनात्मक हिस्सा माना जाता है। लाल जोड़े के साथ पहने जाने वाले पारंपरिक आभूषण न सिर्फ उसकी सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि उसके वैवाहिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक भी होते हैं। भारत के अलग-अलग राज्यों में दुल्हन को कुछ खास ज्वेलरी जरूर पहनाई जाती है, जिनका अपना धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व होता है।

कहीं नथुली को सुहाग की निशानी माना जाता है, तो कहीं शांख पोला को वैवाहिक जीवन की लंबी उम्र और खुशहाली का प्रतीक समझा जाता है। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक, पूर्व से पश्चिम तक, हर क्षेत्र में दुल्हन के आभूषणों का अंदाज बदल जाता है। चलिए इस आर्टिकल में आपको भी बताते हैं कि भारत के अलग-अलग राज्यों में दुल्हन को कौन से जेवर जरूर पहनाए जाते हैं और इनका क्या महत्व है।

उत्तराखंड दुल्हनों की शान

उत्तराखंड की दुल्हन सादगी की मिसाल होती हैं। लाइटमेकअप और साड़ी में वो काफी सुंदर लगती हैं। लेकिन पहाड़ी दुल्हन का श्रृंगार नथुली के बिना अधूरा माना जाता है। नाक में पहनी जानी वाली बड़ी सी नथ को नथुली कहा जाता है। कहते हैं कि ये सुहाग और समृद्धि का प्रतीक है। इसे शादी के दिन खास तौर पर दुल्हन को पहनाया जाता है। सिर्फ शादी के दिन ही नहीं शादी के बाद भी तीज-त्योहार और हर शुभ मौके पर सुहागन महिलाएं नथुली पहनती है।

पश्चिम बंगाल का शांख पोला

पश्चिम बंगाल की दुल्हन भी बेहद खूबसूरत लगती हैं। उनकी सफेद और लाल साड़ी, सिर पर पहना मुकुट और पान के पत्तों से चेहरा छिपाना शादी की ये परंपरा काफी अलग होती हैं। बंगाली में दुल्हन को शांक पोला पहनाना शुभ माना जाता है। सफेद और लाल कलर की चूड़िया होती हैं। इन्हें वैवाहिक जीवन की खुशहाली और लंबी उम्र का प्रतीक माना जाता है। शादी के बाद भी महिलाएं इन्हें नियमित रूप से पहनती हैं।

तमिलनाडु में ओडियानम है जरूरी

तमिलनाडु में दुल्हन को ओडियानम जरूर पहनाना जाता है। जिसे कमरबंध भी कहा जाता है। दक्षिण भारत की दुल्हन सोने का कमरबंध पहनती है। इसे समृद्धि और स्त्री शक्ति का प्रतीक माना जाता है और यह पारंपरिक साड़ी के साथ बेहद सुंदर लगता है।

कश्मीर की दुल्हन को खास जेवर देज्होर

कश्मीर की संस्कृति और परंपराएं भी बेहद खास हैं। कश्मीरी पंडित दुल्हनों के लिए देज्होर बेहद खास आभूषण होता है। ये कान में पहना जाने वाला लंबा लटकने वाला इयररिंग्स जैसा गहना होता है। जिसे शादी के समय दुल्हन को पहनाया जाता है। इसे वैवाहिक बंधन और नई जिम्मेदारियों का प्रतीक माना जाता है। शादी के बाद भी महिलाएं इसे खास मौकों पर जरूर पहनती हैं।

पंजाबी दुल्हन का लाल चूड़ा

पंजाबी दुल्हन को चूड़ा काफी मशहूर है। अब सिर्फ इसे पंजाबी दुल्हन ही नहीं बल्कि हर एक दुल्हन पहनना पसंद करती है। लेकिन पंजाब में इसकी एक अलग परंपरा है। वहां मामा द्वारा होने वाली दुल्हन को चूड़ा पहनाया जाता है, जिसे शादी के 40 दिन बाद ही उतारा जाता है। सफेद और लाल रंग के इस चूड़े को नई जिदंगी की शुरुआत और सौभाग्य का संकेत माना जाता है।

राजस्थान का बोरला मांगटीका

राजस्थान की दुल्हन में एक अलग ही शादी अंदाज नजर आता है। शादी के मौके पर दुल्हन को बोरला जरूर पहनाया जाता है, जो गोल आकार का एक मांग टीका जैसा होता है। ये मांग टीका शाही परंपरा और राजपुताना संस्कृति की झलक को दिखाता है।

होर्मुज की लड़ाई बिगाड़ सकती है 'इकोनॉमिक गेम'! गिरता रुपया और महंगा होता तेल, कैसे थमेगा संघर्ष?

पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने से भारत को नए आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या और उसके बाद बदले की कार्रवाई से तेल सप्लाई में रुकावट का डर बढ़ गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर घरेलू महंगाई और भारतीय रुपये पर पड़ सकता है। पॉलिसी मेकर्स इस स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। इसका कारण भी है, अस्थिर जियो पॉलिटिकल माहौल देश की इकोनॉमी के लिए काफी अनिश्चितता लेकर आ रहे हैं।

जानकारों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार जाती है, तो घरेलू महंगाई में इजाफा देखने को मिल सकता है। जिसका असर रुपए के अलावा ट्रेड डेफिसिट में भी देखने को मिल सकता है। रुपये में 21 पैसे की गिरावट देखने को मिली है। जानकारों के अनुसार रुपया 92 का लेवल भी पार कर सकता है।

इस घटनाक्रम ने पूरे पश्चिम एशिया में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है और भारत जैसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों के लिए नए आर्थिक जोखिम पैदा कर दिए हैं। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय प्रमुख मंत्रालयों के साथ स्थिति की समीक्षा कर रहा है, इस चिंता के बीच कि लंबी लड़ाई से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पब्लिक फाइनेंस पर दबाव और क्षेत्र से कमजोर रेमिटेंस फ्लो के माध्यम से घरेलू अर्थव्यवस्था को झटका लग सकता है।

तेजी से बढ़ रहे हैं तेल के दाम

इजराइल-ईरान युद्ध ने तेल को कई महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही तेजी से प्रतिक्रिया हुई है। दुनिया के सबसे जरूरी प्रोडक्शन वाले इलाकों में से एक में सप्लाई में रुकावट की संभावना को देखते हुए, तेल महीनों में पहले के लेवल तक चढ़ गया।

ईरान दुनिया भर में तेल प्रोडक्शन का लगभग 5% हिस्सा है। एशिया में तेल का ट्रेडिंग शुरू होने से पहले ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के एनालिस्ट जियाद दाउद और दीना एस्फांडियरी ने एक रिपोर्ट में लिखा कि ईरान से सप्लाई पूरी तरह से रुकने से कीमतें लगभग 20% बढ़ सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया भर में तेल सप्लाई का लगभग 20% होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुज़रता है, और पानी का रास्ता बंद होने से कीमतें $108 प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स सोमवार को 7% बढ़कर $82.37 पर पहुंच गया, जो जनवरी 2025 के बाद सबसे ज्यादा है, यह शनिवार को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हमले करने और अयातुल्ला अली खामेनेई को मारने के बाद पहले ट्रेडिंग सेशन में हुआ। 0054 GMT तक, ब्रेंट $5.37 या 7.37% बढ़कर $78।24 प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।

ईरान-इजराइल युद्ध से होर्मुज स्ट्रेट का खतरा बढ़ा

मिडिल ईस्ट में तनाव जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है। वैसे-वैसे शिपिंग रिस्क भी बढ़ गए हैं। इजराइल ने रविवार को तेहरान पर नए हमले किए और ईरान ने और मिसाइल हमलों से जवाब दिया। इस टकराव से कमर्शियल जहाजों को भी नुकसान हुआ है। अभी भी आज ईरान ने साउदी की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी आरामको पर हमला कर स्थितरिता और बढ़ा दी है।

इजराइल-ईरान युद्ध और भारत का सीधा एनर्जी एक्सपोजर

होर्मुज स्ट्रेट भारत के लिए खास तौर पर बहुत जरूरी है। दुनिया भर का लगभग 20% तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है और भारत का 40% से ज्यादा क्रूड इंपोर्ट इसी स्ट्रेट से होता है। इसलिए किसी भी लंबे समय तक चलने वाली रुकावट का घरेलू फ्यूल की लागत और महंगाई पर तुरंत असर पड़ेगा।

अगर क्रूड लंबे समय तक महंगा रहता है तो ऑयल मार्केटिंग कंपनियों पर पेट्रोल, डीजल और LPG की कीमतें बढ़ाने का दबाव पड़ सकता है। हालांकि, सरकार टैक्स में कटौती या सब्सिडी के ज़रिए कुछ समय के लिए झटके को झेल सकती है, लेकिन लंबे समय तक ऊंची कीमतें पब्लिक फाइनेंस पर दबाव डालेंगी और शायद इसके फिस्कल डेफिसिट के रास्ते को बदल देंगी। अगर फ्यूल सब्सिडी बढ़ती है तो इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च की योजनाओं को भी फिर से देखने की जरूरत पड़ सकती है।

कहां तक जाएंगी तेल की कीमतें

HDFC बैंक ने एक नोट में कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के लंबे समय तक बंद रहने से लंबे समय तक तनाव की स्थिति में तेल के 90-110 डॉलर pbl की ऊंची रेंज तक जाने की आशंका है। हालांकि, ऐतिहासिक रूप से स्ट्रेट कभी भी लंबे समय तक ब्लॉकेड नहीं रहा है। बैंक ने चेतावनी दी कि तेल की कीमतों में जल्द ही बढ़ोतरी करेंसी पर दबाव डाल सकती है और अगर तनाव लंबा चला तो करंट अकाउंट डेफिसिट भी बढ़ सकता है। अभी FY27 के लिए डेफिसिट GDP का लगभग 1% रहने का अनुमान है। इसने अनुमान लगाया कि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार 10 डॉलर की बढ़ोतरी से भारत का करंट अकाउंट डेफिसिट लगभग 40-50 बेसिस पॉइंट्स बढ़ जाएगा, यह मानते हुए कि दूसरे फैक्टर्स में कोई बदलाव नहीं होता है।

RBI के सामने होगी चुनौती?

तेल के झटके का समय बहुत नाजुक है। पिछले साल भारत की इन्फ्लेशन की चाल में काफी सुधार हुआ था। जून 2025 में हेडलाइन कंज्यूमर प्राइस इन्फ्लेशन कम होकर 2.1% हो गई और अक्टूबर में 0.25% के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई, जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 2-6% के टारगेट बैंड के अंदर ही रही। जनवरी में एक रिवाइज्ड डेटा सीरीज के तहत, भारत की मुख्य इन्फ्लेशन रेट 2.75% थी।

तेल की ज्यादा कीमतों से अब यह बैलेंस बदलने का खतरा है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ेगी, खाने की चीज़ों की कीमतें बढ़ेंगी और मैन्युफैक्चरिंग खर्च बढ़ेगा, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। इससे RBI के लिए इस साल के आखिर में इंटरेस्ट रेट में कटौती करना मुश्किल हो सकता है, जिसकी काफी उम्मीद थी।

करेंसी पर क्या होगा असर?

इस लड़ाई से करेंसी पर भी असर पड़ने की संभावना है। तेल की कीमतों में तेज़ी, बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता और दुनिया भर में रिस्क-ऑफ सेंटिमेंट रुपये को कमजोर कर सकता है।

10 से 12 रुपए तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम, सोना-चांदी की कीमतों में भी हो सकता हैं बढ़ा इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और इज़रायल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और रणनीतिक तेल मार्ग बंद होता है, तो इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल संभव

भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85-90त्न आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मार्ग पर आपूर्ति बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100–120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

ऐसी स्थिति में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 95 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 105 रुपए तक और डीजल 88 रुपए से बढ़कर 96 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकता है। हालांकि अंतिम निर्णय कई कारकों पर निर्भर करेगा।

बता दें कि देश में पेट्रोल-डीजल के दाम सरकारी तेल विपणन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले 15 दिनों के औसत कच्चे तेल के भाव और डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति के आधार पर तय करती हैं। लेकिन उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली अंतिम कीमत में केंद्र और राज्य सरकारों के टैक्स का बड़ा हिस्सा शामिल होता है। इसलिए कंपनियां सैद्धांतिक रूप से कीमतें बढ़ा सकती हैं, मगर व्यावहारिक रूप से सरकार की नीति अहम होती है। युद्ध जैसे हालात में सरकार महंगाई नियंत्रित रखने के लिए टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमत स्थिर रखने की सलाह दे सकती है।

सोना-चांदी में रिकॉर्ड तेजी की आशंका

युद्ध और अनिश्चितता के माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्प की ओर रुख करते हैं। कमोडिटी बाजार के जानकारों का अनुमान है कि सोना 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1.90 लाख रुपये तक जा सकता है। वहीं चांदी, जो फिलहाल लगभग 2.67 लाख रुपये प्रति किलो के आसपास है, 3.50 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

विश्लेषकों का कहना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में हालात और बिगड़ते हैं, तो शेयर बाजार में भी अस्थिरता बढ़ सकती है और निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर और तेज हो सकता है।

भारत के लिए चुनौती

ऊर्जा आयात पर निर्भरता के कारण भारत के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी तरह की रुकावट से न सिर्फ पेट्रोल-डीजल, बल्कि परिवहन, महंगाई दर, शेयर बाजार और आम उपभोक्ता की जेब पर व्यापक असर पड़ सकता है। फिलहाल सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और वैश्विक बाजार के रुख के अनुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी।

'ईरान से नहीं था कोई खतरा' : मार्को रुबियो के बयान पर अब्बास अराघची बोले- अमेरिका ने चुना युद्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका ने इस्राइल की ओर से जंग चुनी है। उन्होंने कहा कि तथाकथित ईरानी खतरे जैसा कुछ नहीं था। रुबियो ने कहा था कि वॉशिंगटन को जानकारी थी कि उसका सहयोगी इस्राइल कार्रवाई करने वाला है और आशंका थी कि तेहरान क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी बलों पर जवाबी हमला कर सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें पता था कि इजराइल कार्रवाई करेगा। हमें यह भी मालूम था कि इससे अमेरिकी बलों पर हमला हो सकता है। अगर हमने पहले कार्रवाई नहीं की होती तो हमें अधिक हताहत झेलने पड़ते।'

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अराघची ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'रुबियो ने वही बात स्वीकार की जो हम सब जानते थे। अमेरिका ने इस्राइल के पक्ष में अपनी मर्जी से युद्ध छेडा है। ईरान से जुडा कोई तथाकथित खतरा कभी था ही नहीं। अमेरिकी और ईरानी दोनों का खून इस्राइल समर्थक विचारधारा के कारण बहा है। अमेरिकी जनता इससे बेहतर की हकदार है और उन्हें अपना देश वापस लेना चाहिए।' इससे पहले, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि तेहरान में हुए हमले को इजरायल ने अंजाम दिया था, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। खुफिया जानकारी के अनुसार, उस समय वे एक बैठक में थे। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना था कि ईरान के खिलाफ यह कार्रवाई बहुत जरूरी थी।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा हमला: 25 से ज्यादा चौकियों कब्जाईं, 100 से अधिक सैनिक ढेर करने का दावा

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर पिछले पांच दिनों से जंग जारी है। इस बीच अफगान सेना ने पाकिस्तानी वायुसेना के हवाई हमलों का कड़ा जवाब देते हुए पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि उनकी सेना ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा के पास कई जरूरी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में काबुल से जुड़े इलाके, खोस्त का अली-शेर जिला, जलालाबाद और कंधार के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं। दोनों देशों के बीच यह तनाव तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान ने 21-22 फरवरी को अफगानिस्तान के अंदर कथित आतंकी कैंपों पर हमले किए थे। इसके जवाब में अफगान सेना ने आक्रामक रुख अपनाया है। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, उनकी सेना ने कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक और शोराबक जिलों में कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। स्पिन बोल्डक में तीन चौकियों पर कब्जा करने के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक सैनिक को अफगान सेना ने पकड़ लिया। इसके अलावा, अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने बताया कि अली-शेर जिले में भी दो पाकिस्तानी पोस्ट अब अफगान सेना के कब्जे में हैं।

अभी भी नहीं टला है खतरा

पिछले चार दिनों से दोनों तरफ की सेनाएं एक-दूसरे के ठिकानों पर भारी गोलाबारी कर रही हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि टकराव के शुरुआती दौर के मुकाबले अब लड़ाई की तेजी थोड़ी कम हुई है, लेकिन खतरा टला नहीं है। यह दुश्मनी पिछले महीने तब शुरू हुई थी जब पाकिस्तान ने अफगान सीमा के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाने का दावा किया था। इसके तुरंत बाद तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी।

बख्तरबंद टैंक किए नष्ट

सोमवार को अफगान रक्षा मंत्रालय ने एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पक्तिका प्रांत में अफगान सैनिकों ने पाकिस्तान का एक बख्तरबंद टैंक नष्ट कर दिया है। यह टैंक अफगान इलाके की तरफ अंधाधुंध गोले बरसा रहा था। मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खोवाराजमी ने दावा किया कि अफगान सैनिकों ने अब तक 100 से ज्यादा पाकिस्तानी लोगों को मार गिराया है और 25 से ज्यादा सैन्य चौकियों पर अपना झंडा फहरा दिया है। अफगान पुलिस ने यह भी जानकारी दी कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने काबुल के पास स्थित बगराम एयर बेस पर बमबारी करने की कोशिश की थी। अफगान एयर डिफेस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए इस हमले को नाकाम कर दिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बगराम एयर बेस पहले अमेरिकी सेना का सबसे बड़ा केंद्र हुआ करता था।

क्या ईरान के साथ लंबी चलेगी अमेरिका की जंग? ट्रंप बोले- हमारे पास हथियारों की कमी नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान से छिड़ी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के हथियार भंडार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अमेरिकी गोला-बारूद भंडार पर अपडेट देते हुए दो टूक कहा कि युद्ध हमेशा चलते रह सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पास मध्यम और उच्च श्रेणी के हथियारों की आपूर्ति अब तक के सबसे अच्छे स्तर पर है और इन हथियारों की उपलब्धता लगभग असीमित है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि मौजूदा भंडार के दम पर युद्ध लंबे समय तक और प्रभावी ढंग से लड़े जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये हथियार अन्य देशों के सबसे उन्नत हथियारों से भी बेहतर हैं। उन्होंने साफ कहा कि हथियारों के दम पर अमेरिका युद्ध अनंत काल तक और बहुत सफलतापूर्वक लड़े जा सकते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या ईरान से चल रही जंग लंबी खींच सकती है?

हाई-एंड हथियारों पर चिंता

ट्रंप ने यह भी कहा कि अत्याधुनिक श्रेणी के हथियारों की आपूर्ति अभी उस स्तर पर नहीं है, जहां वे चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने जोड़ा कि अमेरिका के लिए बड़ी मात्रा में उन्नत हथियार विदेशों में भी संग्रहित हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है।

बाइडेन और यूक्रेन पर निशाना

अपने बयान में ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बाइडेन ने अमेरिका का समय और पैसा यूक्रेन को हथियार देने में खर्च कर दिया। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की को लेकर विवादास्पद टिप्पणी करते हुए कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को सैकड़ों अरब डॉलर मूल्य के हथियार मुफ्त में दे दिए, लेकिन बदले में अपने हथियार भंडार को फिर से भरने पर ध्यान नहीं दिया गया।

'मैंने सेना को दोबारा मजबूत किया'

ट्रंप ने दावा किया कि अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने अमेरिकी सेना को दोबारा मजबूत किया और अब भी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका पूरी तरह से हथियारों से लैस है और किसी भी स्थिति में 'बड़ी जीत' हासिल करने के लिए तैयार है।

जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना की तैनाती की जरूरत नहीं: ट्रंप

इससे पहले ट्रंप ने रियाद में अमेरिकी दूतावास पर हमले पर प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका में न्यूजनेशन के एक पत्रकार से बातचीत के हवाले से अल जजीरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जब उनसे पूछा गया कि अमेरिकी दूतावास पर हुए हमले की प्रतिक्रिया क्या होगी? तो उन्होंने साफ कहा कि आपको बहुत जल्द पता चल जाएगा। साथ ही कहा कि ईरान के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना की तैनाती की आवश्यकता नहीं होगी।

'ईरान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होगी, यह अंतहीन युद्ध नहीं', जंग के बीच नेतन्याहू का एलान

यरुशलम, एजेंसी। ईरान अपने सुप्रीम नेता खामेनेई की मौत के बाद तिलमिलाया हुआ है। इस्राइल के अलावा खाड़ी देशों में स्थिति अमेरिकी बेस पर ईरान के लगातार हमले जारी है। शुरुआती 30 घंटे में ईरान पर 2 हजार से ज्यादा बम गिराए गए। इसी के साथ एक हजार से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया। वहीं ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 742 हो गया। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर बड़ा एलान किया है।

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई त्वरित और निर्णायक होगी और इसे वर्षों तक चलने वाले युद्ध में बदलने का इरादा नहीं है। उन्होंने यह बयान फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में दिया। नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा सैन्य टकराव को इस्राइल अंतहीन संघर्ष में बदलना नहीं चाहता। उनका कहना था कि यह अभियान क्षेत्रीय स्थिरता और शांति की दिशा में एक रास्ता खोल सकता है।

नेतन्याहू के अनुसार यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है, बल्कि क्षेत्र में स्थायी शांति की दिशा में एक कदम है। नेतन्याहू ने फॉक्स न्यूज को बताया कि मौजूदा संघर्ष इस क्षेत्र के देशों के साथ इस्राइल के संबंधों को सामान्य बनाने वाले और अधिक समझौतों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

ईरान पर इस्राइल का रुख

इस्राइल प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस्राइल ईरान के साथ लंबे युद्ध में उलझना नहीं चाहता। उन्होंने दोहराया कि सत्ता परिवर्तन की अंतिम जिम्मेदारी ईरान की जनता की है, लेकिन अमेरिका और इस्राइल मिलकर ऐसी परिस्थितियां बना रहे हैं, जिससे वहां के लोग अपने भविष्य को लेकर निर्णय ले सकें। इस्राइल का दावा है कि मौजूदा सैन्य अभियान सीमित समय तक चलेगा और इसे लंबी अवधि की प्रक्रिया में बदलने की योजना नहीं है।

ईरान जंग पर उपराष्ट्रपति वेंस का बयान

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन आरोपों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ट्रंप अपने 'अंतहीन युद्धों से बचने' के वादे से पीछे हट रहे हैं। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि ईरान पर कार्रवाई इराक और अफगानिस्तान के युद्धों से अलग है, क्योंकि इसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका को बिना किसी लक्ष्य के वर्षों तक चलने वाले संघर्ष में नहीं झोंकेंगे। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

यूट्यूब पर बजा पीएम मोदी का डंका: छुआ 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा, ट्रंप से सात गुना ज्यादा फोलोअर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक और उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यूट्यूब पर 30 मिलियन सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसा करने वाले वे विश्व के पहले नेता बन गए हैं। विश्व नेताओं में, प्रधानमंत्री मोदी के यूट्यूब पर सबसे अधिक सब्सक्राइबर हैं। रैंकिंग के अनुसार, वे इस श्रेणी में अन्य सभी से काफी आगे हैं।

ट्रंप से सात गुना अधिक पीएम मोदी के सब्सक्राइबर

दूसरे स्थान पर ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो हैं, जिनके सब्सक्राइबर प्रधानमंत्री मोदी के सब्सक्राइबर का लगभग एक-चौथाई ही हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के पास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में सात गुना से अधिक सब्सक्राइबर हैं। भारत में, प्रधानमंत्री मोदी का दबदबा और लोकप्रियता स्पष्ट है। सब्सक्राइबर के मामले में, प्रधानमंत्री मोदी के पास राहुल गांधी से लगभग तीन गुना और आम आदमी पार्टी और कांग्रेस से चार गुना से भी अधिक सब्सक्राइबर हैं।

इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फोलोअर्स

यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फोलोअर्स का आंकड़ा पार करने के बाद हासिल की गई है। उन्होंने हाल ही में इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल की है। ऐसा करने वाले वे पहले विश्व नेता और राजनेता बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोगुनी से भी अधिक है। अगले पांच प्रमुख विश्व नेताओं के फॉलोअर्स की कुल संख्या प्रधानमंत्री मोदी के फॉलोअर्स की संख्या से कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

दूसरे स्थान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रधानमंत्री मोदी के बाद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के 15 मिलियन फॉलोअर्स हैं, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के 14.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के 11.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के 6.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इसके अलावा, भारत के भीतर भी फॉलोअर्स की संख्या में भारी अंतर देखने को मिलता है। इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री अन्य भारतीय राजनीतिक नेताओं से काफी आगे हैं। दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जिनके लगभग 16.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनके बाद राहुल गांधी हैं, जिनके लगभग 12.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

केरल और तमिलनाडु में परिसीमन को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस, जयराम रमेश ने भाजपा की मंशा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल और तमिलनाडु में जल्द चुनाव होने वाले हैं। अब राज्य में सियासी हलचल तेज हो रही है। इसी बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश भाजपा को निशाना बनाया। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे को चर्चा के लिए सामने रखा है। उन्होंने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों, जो प्रभावी रूप से अपनी आबादी को नियंत्रित करते हैं। उनकोकम संसदीय सीटों के साथ दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में केंद्रीय निधियों के वितरण में भेदभाव का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधित्व और वित्तीय न्याय दोनों ही आगामी केरल और तमिलनाडु चुनावों में भाजपा को घेरने के लिए उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे होंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या केरल और तमिलनाडु में परिसीमन चुनाव प्रचार का मुद्दा बनने जा रहा है। तब उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सीटों की संख्या में कमी आएगी। 'यह चिंता का विषय है। अभी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि जनगणना होनी बाकी है। अगले साल अप्रैल तक हमें जनगणना के व्यापक परिणाम पता चल जाएंगे। फिर निश्चित रूप से एक परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ₹ऐसा नहीं होना चाहिए कि राज्यों को विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के मामले में इतना जिम्मेदार और उत्तरदायी होने के लिए दंडित किया जाए।' केरल भारत का पहला राज्य है, जिसने कुल प्रजनन दर को 2.1 तक लाने का लक्ष्य हासिल किया है। उनकी नीति का उद्देश्य कुल प्रजनन दर को घटाकर 2.1 करना था। इस स्तर पर दो पीढ़ियों के बाद जनसंख्या स्थिर होने लगेगी। यह लगभग 40 साल पहले की बात है। केरल ने 1988 में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 का आंकड़ा छू लिया। ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। तमिलनाडु ने इसे 1993 में हासिल किया। फिर अविभाजित आंध्र प्रदेश ने इसे प्राप्त किया, उसके बाद कर्नाटक ने। बाद में, हिमाचल प्रदेश और अन्य कुछ छोटे राज्यों ने भी इसे हासिल किया। केंद्र सरकार की ओर से देश में जनगणना करने के निणर्य के बाद से डीएमके नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने भी अपनी चिंता जताई थी। राज्यों में लोक भवनों और गैर-भाजपा सरकारों के बीच कथित टकराव साथ ही विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों को निधि वितरण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए। रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहकारी संघवाद की बात तो करते हैं, लेकिन टकरावात्मक संघवाद का अभ्यास करते हैं, जिससे सत्ता का केंद्रीकरण होता है और राज्यों का महत्व कम होता है। उन्होंने कहा, ₹राज्यपालों के कामकाज को देखिए। वे मूल रूप से केंद्र सरकार, भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल, तमिलनाडु के राज्यपाल, कर्नाटक के राज्यपाल को देखिए। जहां भी विपक्षी सरकारें सत्ता में होती हैं, विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों को जिस तरह से संभाला जाता है। उन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाता है।' रमेश ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान लागू की गई मनरेगा सबसे सफल कार्यक्रमों में से एक थी। सहकारी संघवाद का एक अच्छा उदाहरण है, क्योंकि इसे ग्राम पंचायतों द्वारा कार्यान्वित किया गया था।

मार्च में होगी बॉलीवुड की सबसे बड़ी टक्कर, 'धुरंधर 2 'और 'टॉक्सिक' के अलावा रिलीज होंगी ये फिल्में

मार्च के महीने में कई फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' के अलावा कई फिल्मों के ऑप्शन दर्शकों के पास होगें।

सिनेमा के प्रेमियों को अपने पसंदीदा एक्टर्स की फिल्म का खास इंतजार करते हैं। मगर अगर ये फिल्में किसी त्यौहार या लंबे हॉली डे के पास रिलीज होती हैं तो इनका माजा दोगुना हो जाता है। इस मार्च के महिने में सिनेमा के शौकीन दर्शकों के लिए हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में कई फिल्म रिलीज हो रही हैं। जानिए कौन सी हैं वो फिल्में -

इस महीने के 6 मार्च 2026 को दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। 'हॉपर्स' जो बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को एक साथ एंटरटेन कर सकती है। फिल्म एक अमेरिकी एनिमेटेड साइंस फिक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म जानवरों और मानव के इमोशनल जुड़ाव पर है। मशहूर निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म 'चरक' भी 6 मार्च को रिलीज हो रही है। फिल्म काले जादू और नर बलि के आस-पास घूमती है। फिल्म की कहानी में आपको तंत्र-मंत्र भी देखने मिलता है।

फिल्म 'किस्सा कोर्ट कचहरी का' देखने मिलेगा 13 मार्च 2026

मार्च के महीने में आने वाली फिल्म 'किस्सा कोर्ट कचहरी का' भी दर्शको के लिए एक अच्छा ऑप्सन है। अगर आप कोर्टरुम कॉमेडी ड्रामा के शौकीन हैं तो यह फिल्म आपके लिए है। फिल्म में राजेश शर्मा, बृजेंद्र काला, नीलू कोहली और अंजू जाधव मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म अपनी कहानी में कई गंभीर विषयों पर चर्चा करती है। मगर इसमें बीच-बीच में कुछ कॉमेडी पंच भी हैं।

19 मार्च 2026 को 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' का टकराव

19 मार्च को दो बड़ी फिल्में फिल्में टकराने वाली हैं। एक रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर-2' जो 'धुरंधर' का सीक्वल पार्ट है। दूसरी फिल्म सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' जो की साउथ की एक हाई कमर्शियल फिल्म होगी। 'टॉक्सिक' को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दूसरी तरफ 'धुरंधर 2' जिसमें अब हमजा अली मजारी के अतीत का हिस्सा दिखाया जाएगा। इस फिल्म में अब उनके जसकीरत से हमजा बनने की कहानी दिखाई जाएगी।

20 मार्च को आ रहा है 'प्रोजेक्ट हेल मैरी'

सिनेमाघरों में 20 मार्च को रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मैरी' एक अमेरिकी साइंस और फिक्शन फिल्म है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी पर आधारित है जो अपनी याददाश्त खो चुका है। कुछ याद न होते हुए भी वो खतरनाक मिशन पर अंतरिक्ष में जाता है। रयान गोस्लिंग इसमें मुख्य भूमिका में हैं और फिल्म के निर्माता भी हैं।

'उस्ताद भगत सिंह' 26 मार्च को रिलीज

पवन कल्याण की तेलुगु फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' भी इसी मार्च महीने के अंत में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 26 मार्च को रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक दस्यु आदमी पर टिकी हुई है। जो लोगों की मदद करता है।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं।

मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।

मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं।

बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

मम्मी–पापा की 40वीं सालगिरह पर टूर गाइड बनीं श्रिया पिलगांवकर, वियतनाम में मनाया जश्न

मशहूर अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर हाल ही में अपने माता-पिता के साथ वियतनाम की सैर करके वापस लौटी हैं। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स के साथ किसी ट्रिप पर जाना फिल्म बनाने से कम नहीं है। पिलगांवकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ झलकियां शेयर कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता के साथ खूब मजे करती नजर आ रही हैं। श्रेया ने लिखा, जब मम्मी-पिता ही बच्चों जैसे बन जाएं, तब परिवार के साथ छुट्टियां किसी फिल्म से कम नहीं लगतीं। थोड़ी भागदौड़ और हलचल तो होती है, लेकिन यही पल सबसे प्यारी यादें बन जाते हैं। माता-पिता को घुमाने ले जाना बहुत खास एहसास देता है। श्रिया ने आगे बताया, परिवार के साथ छुट्टियां प्लान करना आसान नहीं होता, इसलिए मौका मिले तो हम उसे कभी हल्के में नहीं लेते। हाल ही में मम्मी-पापा की शादी की 40वीं सालगिरह थी तो मैंने एक छोटा सा ट्रिप प्लान किया। इस दौरान मैं उनकी पूरी टूर गाइड बनी रही।

तस्वीरों में वियतनाम की खूबसूरत जगहों पर परिवार की मस्ती साफ दिख रही है। यह ट्रिप उनके लिए बेहद यादगार साबित हुई।

बता दें कि श्रिया पिलगांवकर 90 के दशक के अभिनेता सचिन पिलगांवकर और अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर की बेटी हैं। श्रेया ने भी अपने माता-पिता की तरह सिनेमा की दुनिया में अपने करियर को बनाने का फैसला लिया। बचपन से ही श्रेया फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करती रहीं और छोटे किरदारों के जरिए अपने अभिनय को निखारा।

साल 2010 में श्रेया ने चल चलिए नाम की शॉर्ट फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने एक कुल्टी जैसी कुछ कहानियों के जरिए अपना नाम बनाने की कोशिश की है।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म हैवान में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। इस बात की जानकारी उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इस फिल्म की शूटिंग के कुछ भाग ऊंटी में शूट किए गए थे। फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ में नजर आएंगे। दोनों लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, जिसे देखने के लिए प्रशंसक और भी ज्यादा उत्साहित हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com